राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 28 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–94 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अमेठी और रायबरेली पर खरगे ने कहा..अभी कुछ समय और रुको

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश की अमेठी और रायबरेली सीट पर अभी संशय बना हुआ है। इन दोनों सीटों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, वायनाड के लोग राहुल गांधी को अपने सांसद के रूप में देखना चाहते थे। इसकारण राहुल गांधी ने वायनाड सीट से चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि अमेठी और रायबरेली सीटों के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कुछ समय बाद की जाएगी। उन्होंने कहा, कुछ दिन और रुको। हम दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने वाले है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की उस टिप्पणी पर भी चुटकी ली, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष चाहें, तब वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं राज्यसभा में विपक्ष का नेता हूं और मेरे प्रतिद्वंद्वी मोदी हैं, यहां के सीएम नहीं। इसलिए, मैं मोदी से बात करूंगा और उन्हें (असम के सीएम) यहां हमारे लोगों का सामना करने दूंगा।

देश के चार हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। देश के चार हवाई अड्डों को बीते दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल के द्वारा दावा किया गया कि कोलकाता हवाई अड्डे सहित देश के चार अलग-अलग हवाई अड्डों पर बम रखे गए हैं। यह ई-मेल मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये ईमेल 26 अप्रैल को मिला था, जिसमें दावा किया कि देश के चार अलग-अलग हवाई अड्डों पर बम रखे गए हैं। जानकारी मिलते ही हवाईअड्डों की गहन जांच की गई, जिसमें बाद में ये धमकी अफवाह निकली। बीते दिन जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इसके बाद हडकंप मच गया। हवाई अड्डे के अधिकारिक फीडबैक आईडी पर शुक्रवार दोपहर में धमकी का ईमेल आया था। इसके बाद हवाई अड्डे के सुरक्षाकर्मियों और बम निरोधक दस्ते ने सर्च ऑपरेशन चलाया। साइबर टीम भी मौके पर पहुंची।

तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा को आयोग का निर्देश...भाषा पर संयम बरते

नई दिल्ली । निर्वाचन आयोग ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी.रामाराव पर फोन टैपिंग सहित अन्य माध्यमों से अभिनेत्रियों को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाने के लिए तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा को आड़े हाथ लेकर उन्हें संयम बरतने को कहा। चुनाव आयोग ने कहा कि मंत्री की टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता का सीधा उल्लंघन हैं। निर्वाचन आयोग ने बीआरएस नेता श्रवण दासोजू की औपचारिक शिकायत पर कार्रवाई करने और सुरेखा को संयम बरतने का निर्देश दिया। बीआरएस की पिछली सरकार के दौरान विपक्षी नेताओं के कथित फोन टैपिंग और कुछ कंप्यूटर सिस्टम और आधिकारिक डेटा को नष्ट करने के कारण कांग्रेस सरकार ने कुछ पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। इस मामले की फिलहाल जांच जारी है।

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ एडवाइजरी

ये काम और सामान जरुर रखे.....और ये काम नहीं करे

नई दिल्ली । श्री अमरनाथ गुफा 14 हजार फीट की ऊंचाई पर है। इसकारण श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान कम भूख लगने, उल्टी या दस्त, कमजोरी, धीमा सिरदर्द, सांस लेने में तकली हो सकती है। इसके लिए अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों को कुछ बातों का विशेष ध्यान देना चाहिए। यात्रा से पहले एक महीना रोजाना 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलें। योग और प्राणायाम जैसे व्यायाम का अभ्यास करें, इससे आपका सांस पर नियंत्रण बन जाएगा। यदि आपको ऊंचाई वाली यात्रा में पहले कोई समस्या आ चुकी है, तब आप यात्रा शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से जांच करवाएं। यात्रा के दौरान चढ़ाई पर धीमे चले और बीच-बीच में सांस लेने के लिए रुकें। नीचे उतरते वक्त तेजी से न चलें और बीच-बीच में रुकते रहें। यात्रा के दौरान समस्या होने पर दवा लेने से पहले अपने डॉक्टर से संपर्कक करके सलाह करें। इतना ही नहीं यात्रा के दौरान खूब पानी पिएं। इससे सिरदर्द नहीं होगा। यात्रा के दौरान खाने-पीने का ध्यान रखें और श्राइन बोर्ड द्वारा सुझाए गए डाइट चार्ट को फॉलो करें। बीमार होने की स्थिति में किसी भी यात्री द्वारा दी गई मेडिकल सलाह न मानें।

यात्री ये सामना अपने साथ जरुर रखे

अपने साथ ऊनी कपड़े जरूर रखें, क्योंकि यात्रा के दौरान न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक लुढ़क सकता है। इसके अलावा छाता, विंडचीटर, रेनकोट और वाटरप्रूफ जूते जरूर रखें। अपने कपड़े और खाने का सामान वाटरप्रूफ बैग में रखें ताकि मौसम बिगड़ने पर ये गीले न हों। यात्रा के दौरान अपने साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर लिखी एक पर्ची जेब में जरूर रखें। अपना पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और यात्रा परमिट जरूर रखें। यदि आपके ग्रुप का कोई साथी बिछड़ जाता है, तब तुरंत ही पुलिस को सूचना देकर बिछुडने की घोषणा यात्रा कैम्प के जरिए करवाएं। चंदनवाड़ी के गेट सुबह 5 से लेकर 11 बजे तक खुलते हैं।

कनाडा और ब्रिटेन में खालिस्तानियों की नींद उड़ी

तिरंगे का अपमान करने वाला इंदरपाल सिंह गाबा पकड़ा गया

नई दिल्ली ।

भारत ने खालिस्तानियों पर ऐसा कड़ा प्रहार किया हैं कि अब तिरंगे की तस्वीर देख लेने भर से ही खालिस्तान समर्थकों की रुह कांप जाएगी। भारत द्वारा तिरंगे के अपमान का बदला लेने वाली खबर ने ब्रिटेन से लेकर कनाडा तक में हलचल मचा दी है। याद होगा कि पिछले साल मार्च में 50 खालिस्तानियों के एक झुंड ने लंदन में भारतीय हाई कमीशन पर हमला कर दिया था। तब खालिस्तानियों ने लंदन हाई कमीशन पर लगे तिरंगे का अपमान किया था। लेकिन अब भारतीय हाई कमीशन पर हमले का मुख्य आरोपी इंदरपाल सिंह गाबा पकड़ा गया है। गाबा को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। इससे ब्रिटेन और कनाडा में खालिस्तान नेटवर्क के नींद उड़ा दी है।

एनआईए ने बताया कि हाउंस्लो के निवासी गाबा को खालिस्तान समर्थकों के उच्चायोग की इमारत में तोड़फोड़ और 19 मार्च को उच्चायोग की इमारत से भारतीय ध्वज को उतारने वाली घटना में उसकी कथित भूमिका के लिए दिल्ली में गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों की तरफ से ये आयोजन ब्रिटेन स्थित सिख कट्टरपंथी और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) नेता अवतार सिंह खांडा के मार्गदर्शन में किया गया था। ये वही खांडा है जिसकी जून 2023 में ब्रिटेन के अस्पताल में मृत्यु हो गई। खांडा खालिस्तानी आतंकवादी जगतार सिंह तारा का करीबी सहयोगी था। खालिस्तानियों की तरफ से यह प्रदर्शन 18 मार्च को वारिस पंजाब प्रमुख अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के प्रतिरोध के तौर पर की गई थी। सिंह वर्तमान में असम की एक उच्च सुरक्षा जेल में बंद हैं।

एनआईए ने कहा कि एक बड़ी सफलता में एनआईए ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पर हिंसक हमले और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान गैरकानूनी कार्रवाइयों से संबंधित 2023 के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रवक्ता ने कहा कि गाबा को

22 मार्च, 2023 के विरोध प्रदर्शन के दौरान गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गिरफ्तार किया गया। हालाँकि, एजेंसी ने यह नहीं बताया कि गाबा को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था या उसके यहाँ आने का उद्देश्य क्या था। एजेंसी ने हमले में उसकी सटीक भूमिका या खालिस्तानी समर्थक नेताओं के साथ उसके संबंध का भी खुलासा नहीं किया।

यूपी की आठ सीटों पर दूसरे चरण में 7.3 फीसदी कम हुआ मतदान

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर शुक्रवार को दूसरे चरण में मतदान हुआ, इस दौरान वोटिंग प्रतिशत 54.9 रहा। जो कि साल 2019 के चुनाव के मुकाबले कम है, साल 2029 में दूसरे चरण 62.2 प्रतिशत मतदान था। इस हिसाब से साल 2024 के चुनाव में दूसरे चरण में पिछले चुनाव के मुकाबले 7.3 प्रतिशत कम वोटिंग हुई है। दूसरे चरण में सबसे कम वोटिंग वाली सीट की बात करें तो उसमें बीजेपी के कब्जे वाली सीट मथुरा है। इस सीट पर 2019 के चुनाव में 61.1 प्रतिशत मतदान हुआ था और 2024 में महज 49.3 प्रतिशत वोटिंग रही है।

यूपी की जिन 8 सीटों पर दूसरे चरण में मतदान हुआ उनमें सबसे अधिक वोट प्रतिशत अमरोहा सीट पर था। हालांकि अगर पिछले चुनाव के वोट प्रतिशत के हिसाब से देखें तो इस सीट पर 6.98 प्रतिशत वोटिंग कम था। साल 2019 के चुनाव में अमरोहा में 71 प्रतिशत वोटिंग थी। इसके साथ ही मेरठ में इस बार 58.7 वोटिंग प्रतिशत है जो साल 20219 के चुनाव में 64.3 प्रतिशत थी। वहीं बागपत सीट पर इस बार 55.9 प्रतिशत वोटिंग हुई है जो साल 2019 में 64.7 प्रतिशत था। गाजियाबाद में इस साल 49.7 वोटिंग प्रतिशत रहा जो साल 2019 के चुनाव में 55.9 प्रतिशत था। वहीं गौतमबुद्ध

नगर में 2019 में 60.5 प्रतिशत वोटिंग रहा था और 2024 में 53.2 प्रतिशत वोटिंग है। इसके अलावा बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में भी वोटिंग प्रतिशत काफी कम रहा है।

बता दें कि यूपी में दूसरे चरण में जिन 8 सीटों पर मतदान हुआ था उनमें, अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा सीट का नाम शामिल है। इनमें से अमरोहा सीट को छोड़कर बाकी सभी सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी। अमरोहा सीट पर बसपा के टिकट पर कुंवर दानिश अली ने जीत दर्ज की थी, हालांकि बसपा ने लोकसभा चुनाव से पहले ही दानिश अली को पार्टी विरोधी गतविधियों के चलते निष्काषित कर दिया था। इस बार अमरोहा सीट पर दानिश अली ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा है।

आप को साउथ ग्रुप से कोई रिश्वत मिली नहीं.....केजरीवाल का सुप्रीम कोर्ट में जबाव

नई दिल्ली ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल किया। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले ईडी की गिरफ्तारी का तरीका और उसका समय केंद्रीय जांच एजेंसी की मनमानी की ओर इशारा करती है। केजरीवाल ने अपने हलफनामे में कहा है कि उनकी गिरफ्तारी इसका ताजा उदाहरण है कि कैसे केंद्र सरकार ने अपने सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को कुचलने के लिए ईडी और मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून का दुरुपयोग किया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आप को साइउथ ग्रुप से रिश्वत मिली। इसके बाद गोवा चुनाव अभियान में रकम का इस्तेमाल किया जाना दूर की बात है। केजरीवाल ने कहा कि आप के पास कथित रिश्वत का एक भी रुपया नहीं आया और इस संबंध में लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों को एक जैसा अवसर उपलब्ध कराया जाना बेहद जरूरी है। इसके बाद में याचिकाकर्ता की अवैध गिरफ्तारी उचित नहीं है। वहीं ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि केजरीवाल ने मामले में अपने आचरण से जांच अधिकारी को यह विश्वास दिलाया कि वह मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी हैं।

-राजस्थान पेपरलीक मामला

सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली पुलिसकर्मियों को राहत

जयपुर ।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में 11 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों और एक कांस्टेबल की रिहाई का आदेश देने से इंकार किया। एसओजी के लिए पेपरलीक के मामले में हाईकोर्ट के बाद यह दूसरी जीत है। न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी व संजय करोली की बेंच ने अभिषेक बिश्नोई व अन्य की विशेष अनुमति याचिका को खारिज किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हाईकोर्ट से कहा कि वह पूर्व निर्धारित तारीख एक मई को सुनवाई करे। हाईकोर्ट ने पेपरलीक मामले में गिरतार इन 12 पुलिसकर्मियों की रिहाई के मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश पर रोक लगा दी थी। इन पुलिसकर्मियों ने एसएलपी में हाईकोर्ट के इस आदेश को चुनौती दी थी। एसएलपी में कहा गया था कि एसओजी ने अधीनस्थ न्यायालय के आदेश की पालना में रिलीज ऑर्डर तैयार होने के तथ्य को हाईकोर्ट से छिपाया, इसकारण हाईकोर्ट ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी है। एसएलपी में सुप्रीम कोर्ट से कहा गया कि हाईकोर्ट में लंबित राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई में समय लगेगा, इसकारण हाईकोर्ट के 15 अप्रैल के आदेश पर रोक लगाकर उन्हें रिहा करने का आदेश करे। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने एसएलपी का विरोध कर कहा कि हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती नहीं दे सकते हैं। उन्होंने आरोपियों की सशर्त रिहाई के मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश पर भी सवाल खड़े कर दिए।

सरकारी पक्ष ने कहा कि अधीनस्थ न्यायालय ने पुलिस रिमांड पर भेजा। इसके बाद आरोपियों को जमानत पर ही रिहा किया जा सकता है।

वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट में किया दावा

मानसून के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने हाल ही जारी अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में बताया है कि सरकार को मानसून के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से इस बार सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान जताना इसका कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से अधिक बारिश से फसलों का अधिक उत्पादन होगा। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि खाद्य कीमतों में और नरमी आने वाली है क्योंकि आईएमडी ने मानसून के मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। इससे वर्षा जल का बेहतर वितरण और उच्च उत्पादन होने की संभावना है। भारत में खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी के 8.7 प्रतिशत से घटकर मार्च में 8.5 प्रतिशत रह गई है। खाद्य मुद्रास्फीति का उच्च स्तर मुख्य रूप से सब्जियों और दालों की बढ़ी कीमतों के कारण है। सरकार ने कीमतों पर अंकुश लगाने के उपाय किए हैं। जमाखोरी रोकने के लिए स्टॉक सीमा तय करना, प्रमुख खाद्य पदार्थों के बफर को मजबूत करना और समय-समय पर उसे खुले बाजार को जारी करना शामिल है।

ब्राजील और अर्जेंटीना से दालों की खरीद के लिए चल रही बातचीत

सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को आसान बनाया है। इसके अलावे नामित खुदरा दुकानों के माध्यम से आपूर्ति को सुव्यवस्थित किया गया है। सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि सरकार दालों के आयात के दीर्घकालिक अनुबंध के लिए ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ बातचीत कर रही है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात किया जाएगा और अर्जेंटीना से अरहर आयात करने के लिए बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी अनुबंध किया है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला हमला कहा

पहले 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन को घोटाला कहा, अब खुद ही नीलामी सिस्टम हटाना चाहती है

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार की 2जी स्पेक्ट्रम पर सुप्रीम कोर्ट से फैसले में बदलाव की मांग को पाखंड बताया है कांग्रेस का कहना है कि भाजपा के पाखंड की कोई सीमा नहीं है। क्योंकि एक तरफ उसने यूपीए सरकार में हुए 2जी स्पेक्ट्रम के सरकारी आवंटन को घोटाला कहा था। वहीं, दूसरी तरफ अब नरेंद्र मोदी सरकार नीलामी के बिना स्पेक्ट्रम देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मांग रही है।

कांग्रेस का यह बयान तब आया है जब केंद्र सरकार ने 22 अप्रैल को 2जी स्पेक्ट्रम मामले में अपने फैसले में बदलाव के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि देश के प्राकृतिक संसाधनों को हैंडओवर या अलग करते समय नीलामी का रास्ता अपनाना राज्य का कर्तव्य है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए गए अपने फैसले में जनवरी 2008 में दूरसंचार मंत्री ए राजा के कार्यकाल के दौरान अलग-अलग फर्मों को दिए गए 2 जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस को रद्द कर दिया था।

कांग्रेस के केंद्र सरकार पर आरोप

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार और भ्रष्ट जनता पार्टी का पाखंड कोई सीमा नहीं रखता। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान उन्होंने हर किसी से कहा कि 2जी स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन एक घोटाला था। अब, वे इससे उलट तर्क दे रहे हैं। वे नीलामी के बिना, जिसे चाहें स्पेक्ट्रम देने की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट गए हैं। मोदी सरकार पहले से ही पब्लिक प्रॉपर्टीज को पीएम के पूंजीपति मित्रो को सौंपती जा रही है। एयरपोर्ट्स एक कंपनी को सौंप दिए। कोयला खदानों की धोखे से नीलामी कर दी। यहां तक कि सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को चुनावी बॉन्ड में 150 करोड़ रुपए के बदले सौंप दिया गया है। रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने कुल 4 लाख करोड़ रुपए के सार्वजनिक संसाधन अपने कॉर्पोरेट डोनर्स को सौंप दिए हैं।

जनता सरकार को बाहर का रास्ता दिखा देगी

कांग्रेस नेता ने कहा कि इंडी ब्लॉक सरकार सत्ता में आने पर अडानी मेगा घोटाले पर एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन करेगी। साथ ही पे पीएम घोटाले समेत इन सभी घोटालों की जांच करेगी। जिसके जरिए भाजपा ने 8200 करोड़ रुपए जमा किए। 4 जून को भारत के मतदाता संगठित लूट की इस पार्टी को बाहर का रास्ता दिखा देंगे। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए मतदान 19 अप्रैल से शुरू हुआ था। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में क्या आवेदन दिया था

दरअसल, केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला की बेंच में एक आवेदन दिया था। इस पर तुरंत सुनवाई की मांग की गई थी। बेंच को बताया गया था कि याचिका में 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई है क्योंकि केंद्र सरकार कुछ मामलों में 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस देना चाहता है। हालांकि, बाद में एक सूत्र ने यह दावा किया था कि सरकार 2012 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलने की मांग नहीं कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रेल रोकने का औचित्य

पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित शंभू रेलवे स्टेशन में जारी किसानों के आंदोलन के चलते रेल यात्रियों को बिना किसी अपराध के सजा भुगतनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर रेलवे को भी भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से रोज 40 से 50 ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों को ज्यादा समय व पैसा लगाकर अपने गंतव्य स्थानों तक जाना पड़ रहा है। रेलवे के पार्सल बुकिंग केंद्र में भी पचास फीसदी की कमी आने की बात बतायी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि किसानों की न्यायसंगत मांगों को पूरा किया ही जाना चाहिए। वे लंबे समय से आंदोलनरत रहे हैं। ऐसे में सत्ताधीशों का भी नैतिक दायित्व बनता था कि वे किसानों से बातचीत की टेबल पर बैठकर बात करते। जिससे सड़क व रेल यातायात बाधित भी नहीं होता। वैसे किसानों को भी आंदोलन करने से पहले देशकाल-परिस्थितियों का आकलन कर लेना चाहिए था। देश इस समय चुनावी मूड में है। कोई भी सरकार किसानों से जुड़े किसी मुद्दे पर बड़ा फैसला लेने में सक्षम नहीं है। किसानों को नये जनादेश का इंतजार करके किसान आंदोलन को दिशा देनी चाहिए थी। किसानों को देश व समाज के अहसासों का भी ध्यान रखना चाहिए। कल्पना कीजिए कि रेल यात्रा करने वाले लोगों को जब अचानक सूचना मिलती है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है तो उन पर क्या बीतती होगी? लोग घंटों रेलवे टिकट बुकिंग केंद्रों पर खड़े होकर अपने लिये टिकट आरक्षित करवाते हैं। कई महीने पहले एडवांस में रिजर्वेशन करवाना पड़ता है। फिर एक दिन यात्रा से ठीक पहले पता चलता है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है। आंदोलनकारियों को सोचना चाहिए कि उस ट्रेन से कोई मरीज कहीं दूर उपचार हेतु जा रहा होगा। कहीं कोई बेरोजगार नौकरी के लिये साक्षात्कार देने जा रहा होगा। हो सकता है कि सही समय पर न पहुंच पाने के कारण कई छात्र परीक्षा या नौकरी पाने से वंचित हो गए होंगे। समय-समय पर देश की शीर्ष अदालत के मार्गदर्शक फैसले आते रहे हैं कि हमें किसी आंदोलन के नाम पर नागरिक जीवन को बंधक नहीं बनाना चाहिए। यदि आंदोलनकारियों के अधिकार हैं तो आम नागरिकों के भी अपने अधिकार हैं। एक पुरानी कहावत है कि जहां से दूसरे व्यक्ति की नाक शुरू होती है, वहां पर पहले व्यक्ति की आजादी खत्म हो जाती है। यानी हमारी किसी भी तरह की आजादी का मतलब किसी की आजादी का अतिक्रमण करना नहीं हो सकता। वैसे भी एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर भी हमें सोचना चाहिए कि यातायात के साधनों, वह चाहे बस हो या ट्रेन, के परिचालन में बाधा डालना एक अपराध जैसा है। ट्रेन को थामना देश के विकास के पहिये थामने जैसा ही है। हमारे कारोबार, जीवन व्यवहार, तीर्थाटन तथा सेना के आवागमन को गति देने वाली ट्रेनों को रोकना निस्संदेह, दुर्भाग्यपूर्ण ही है। निश्चित रूप से इसमें हमारे देश के नीति-नियंताओं को भी सोचना चाहिए कि आखिर क्यों किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिये रेल रोकने जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। कहीं न कहीं हमारे सत्ताधीशों के व्यवहार में व्याप्त दंभ और किसानों की मांगों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव भी इस तरह के आंदोलनों के लिये ईंधन का काम करता है। ऐसे हालात में किसानों को अभी अपने आंदोलनों के तौर-तरीकों को बदलना पड़ेगा। उन्हें हक है कि वे अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करें। लेकिन उन्हें यह हक कदापि नहीं दिया जा सकता है कि वे देश के रेल तंत्र को ठप कर दें।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

दुनिया का सबसे महंगा चुनाव है गंभीर चुनौती

(लेखल- ललित गर्ग)

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकसभा चुनाव 2024 अनेक दृष्टियों से यादगार, चर्चित, आक्रामक एवं ऐतिहासिक होने के साथ-साथ अब तक का सबसे महंगा एवं दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस बार का चुनावी खर्च एक लाख बीस हजार करोड़ रुपये के खर्च के साथ दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के खर्च की तुलना में इस बार दुगुना खर्च होगा। चुनाव प्रक्रिया अत्यधिक महंगी एवं धन के वर्चस्व वाली होने से राजनीतिक मूल्यों का विसंगतिपूर्ण एवं लोकतंत्र की आत्मा का हनन होना स्वाभाविक है। चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है। जनतंत्र के स्वस्थ मूल्यों को बनाए रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता, पारदर्शिता, मितव्ययता और उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत होने पर लोकतंत्र की जड़े खोखली होती चली जाती हैं। करोड़ों रुपए का खर्चीला चुनाव, अच्छे लोगों के लिये जनप्रतिनिधि बनने का रास्ता बन्द करता है और धनबल एवं धंधेबाजों के लिये रास्ता खोलता है। इन चुनावों में अर्थ का अनुचित एवं अतिशयोक्तिपूर्ण खर्च का प्रवाह जहां चिन्ता का कारण बन रहा है, वहीं समूची लोकतांत्रिक प्रणाली को दूषित करने का सबब भी बन रहा है। इस तरह की बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलियां डालना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसके विरोध में व्यापक जनचेतना को जगाना जरूरी है। यह समस्या या विकृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के समूचे लोकतांत्रिक राष्ट्रों की समस्या है।

18वीं लोकसभा चुनाव में हर राजनैतिक दल अपने स्वार्थ की बात सोच रहा है तथा येन-केन-प्रकारेण ज्यादा से ज्यादा वोट प्राप्त करने की अनैतिक तरकीबें निकाल रहा है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव का प्रचार-प्रसार करने में करोड़ों रुपयों का व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों, उद्योगपतियों, राजनीतिक दलों एवं प्रायोजकों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके अनुचित दबाव के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं आर्थिक अपराध की परम्परा को सिंचन मिलता रहता है। यथार्थ में देखा जाए तो जनतंत्र अर्थतंत्र बनकर रह जाता है, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। लेकिन इस तरह लोकतंत्र की आत्मा का ही हनन होता है, इस सबसे उन्नत एवं आदर्श शासन प्रणाली पर अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं।

सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर चुनाव अभियान के लिए धन अलग-अलग स्रोतों से अलग-अलग तरीको से उम्मीदरवारों और राजनीतिक दलों के पास आता है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के लिए मुख्य रूप से रियल इस्टेट, खनन, कारपोरेट, उद्योग, व्यापार, ठेकेदार, चिटफण्ड कंपनियां, ट्रांसपोर्टर, परिवहन ठेकेदार, शिक्षा उद्यमकर्ता, एनआआई, फिल्म, दूरसंचार जैसे प्रमुख स्रोत है। इस साल डिजिटल मीडिया द्वारा प्रचार बहुत ज्यादा हो रहा है। राजनीतिक दल पेशेवर एजेंसिया की सेवाएं ले रहे हैं। इनसे सबसे अधिक राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान, रैली, यात्रा खर्च के साथ-साथ सीधे तौर पर गोपनीय रूप से मतदाताओं को सीधे नकदी, शराब, उपहारों का वितरण भी शामिल है। देश में 1952 में हुए पहले आम चुनाव की तुलना में 2024 में 500 गुणा अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्रति मतदाता 6 पैसे से बढ़कर आज 52 रुपये खर्च होने का अनुमान है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में होने वाले वास्तविक खर्च और अधिकारिक तौर पर दिखाए गए खर्चे में काफी अंतर है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में देश के 32 राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों द्वारा आधिकारिक तौर पर सिर्फ 2,994 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया। इनमें दिखाया गया कि राजनीतिक दलों ने 529 करोड़ रुपये उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन आयोग में पेश खर्च का ब्यौरा और वास्तविक खर्च के साथ-साथ उम्मीदवारों द्वारा अपने स्तर पर किए जा रहे खर्चे में काफी अंतर है। अमेरिकी चुनाव पर नजर रखने वाली एक वेबसाइट के रिपोर्ट का हवाला देते हुए, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि यह 2020 के अमेरिकी चुनावों पर हुए खर्च के लगभग बराबर है, जो 14.4 बिलियन डॉलर यानी 1 लाख 20 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अब तक का सबसे महंगा चुनाव साबित होगा।

भारत में होने वाले चुनाव में हो रहे बेसुमार खर्च की तपीश समूची दुनिया तक पहुंच रही है। समूची दुनिया के तमाम देशों में भारत के चुनाव को न केवल दम साध कर देखा जा रहा है बल्कि इन चुनाव के खर्चों एवं लगातार महंगे होते चुनाव की चर्चा भी पूरी दुनिया में व्याप्त है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों एवं उनके उम्मीदावारों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिये तिजोरियां खोल दी है। यह चुनाव राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले राजनीतिक दलों के हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ज्यादा ध्यान खींच रही है कि इस बार चुनाव अब तक के इतिहास में सबसे खर्चीला साबित होने जा रहा है। इस चुनावों के अत्यधिक खर्चीले होने का असर व्यापक होगा। चुनाव के तवे को गर्म करके अपनी रोटियां सेंकने की तैयारी में प्रत्याशी वह सब कुछ कर रहे हैं, जो लोकतंत्र की बुनियाद को खोखला करता है। काफी लंबे और जटिल प्रक्रिया के तहत चलने वाले चुनाव में जनता के बीच समर्थन जुटाने के लिए उम्मीदरवार जितने बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हैं, उसमें उन्हें स्थानीय कार्यकर्ताओं से लेकर सामग्रियों और जनसंपर्कों तक के मामले में कई स्तरों पर खर्च चुकाने पड़ते हैं। यों किसी भी देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होने वाले चुनावों में ऐसा ही होता है, लेकिन भारत में इसी कसौटी पर खर्च में कई गुना ज्यादा होना चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

दुनिया की आर्थिक बदहाली एवं युद्ध की विभीषिका से चौपट काम-धंधों एवं जीवन संकट में लोकसभा के चुनाव कहां कोई आदर्श प्रस्तुत कर पा रहे हैं? इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, जो लोग चुनाव जीतने के लिए इतना अधिक खर्च कर सकते हैं तो वे जीतने के बाद क्या करेंगे, पहले अपनी जेब को भरेंगे, अर्थव्यवस्था पर आर्थिक दबाव बनायेंगे। और मुख्य बात तो यह है कि यह सब पैसा आता कहां से है? कौन देता है इतने रुपये? धनाढ्य अपनी तिजोरियां तो खोलते ही है, कई कम्पनियां हैं जो इन सभी चुनावी दलों एवं उम्मीदवारों को पैसे देती है, चंदे के रूप में। चन्दा के नाम पर यदि किसी बड़ी कम्पनी ने धन दिया है तो वह सरकार की नीतियों में हेरफेर करवा कर लगाये गये धन से कई गुणा वसूल लेती है। इसीलिये वर्तमान देश की राजनीति में धनबल का प्रयोग चुनाव में बड़ी चुनौती है। सभी दल पैसे के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं, जनता से जुड़े मुद्दों एवं समस्याओं के समाधान के नाम पर नहीं। कोई भी ईमानदारी और सेवाभाव के साथ चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। राजनीति के खिलाड़ी सत्ता की दौड़ में इतने व्यस्त है कि उनके लिए विकास, जनसेवा, सुरक्षा, महामारियां, युद्ध, आतंकवाद की बात करना व्यर्थ हो गया है। सभी पार्टियां जनता को गुमराह करती नजर आती है। सभी पार्टियां नोट के बदले वोट चाहती है। राजनीति अब एक व्यवसाय बन गई है। सभी जीवन मूल्य बिखर गए है, धन तथा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए सत्ता का अर्जन सर्वोच्च लक्ष्य बन गया है। लोकसभा चुनाव की सबसे बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि यह चुनाव आर्थिक विषमता की खाई को पाटने की बजाय बढ़ाने वाले साबित होने जा रहे हैं। आखिर कब तक चुनाव इस तरह की विसंगतियों पर सवार होता रहेगा?

रिसाइकिलिंग को लेकर जागरूकता से ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल स्थित कचरे के पहाड़ पर लगी आग फिलहाल बुझा दी गयी है। लेकिन अभी भी 40-50 छोटी-मोटी जगहों पर आग की लपटें बची हुई हैं। इसके धुएं से आसपास के हसनपुर, गाजीपुर, खोड़ा, चिल्ला गांव और मयूर विहार जैसे इलाकों में रहने वाले लोग आंखों में जलन व सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। वहीं इस कचरे की दुर्गंध तो बरसों से उनकी नियति बन चुकी है। जो लोग दिल के मरीज हैं, परेशानी के चलते घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गये हैं। आजकल चुनावी माहौल में राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की मार सह रही है वहीं कूड़े के पहाड़ का मसला चर्चा का विषय बना हुआ है। अभी तक आग के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और एफएसएल की टीमें जांच कार्य में जुटी हैं। वहीं लैंडफिल साइट के प्रबंधन को लेकर दिल्ली नगर निगम की नीति पर लोगों ने सवाल जरूर खड़े किये हैं। उनका कहना है कि कचरे के पहाड़ पर आग हर महीने लगती रहती है लेकिन इसको नियंत्रित करने के कोई भी पुख्ता कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। हालांकि बीस सालों से कूड़े का पहाड़ खत्म करने के दावे किये जा रहे हैं लेकिन मसला जस का तस है। खमियाजा यहां रहने वाले लोगों को उठाना पड़ रहा है। इसका खातमा न हो पाने के पीछे कचरे का धीमी गति से उठान है। कूड़े के पहाड़ के मामले में अभी तक दिल्ली और मुंबई महानगर सबसे ज्यादा चर्चित थे लेकिन अब गुरुग्राम ने भी इस सूची में नाम दर्ज करा लिया है। यहां बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रोजाना फरीदाबाद और गुरुग्राम का 2300 टन कचरा पहुंच रहा है जहां तकरीबन 16 लाख टन कूड़ा पड़ा है। बीते 24 दिनों में यहां 13 बार आग लगने की घटनाएं हुईं। गत 23 अप्रैल की सुबह जो आग लगी उसके कई किलोमीटर तक फैले धुएं के चलते लोग आंखों में जलन से परेशान थे। लैंडफिल साइट के आसपास लोगों का रहना मुश्किल होता जा रहा है। यहां रहने वाले लोग बरसों से दिल, सांस, गले में खराश, दिमाग में सूजन आदि रोगों से परेशान हैं। खासतौर पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, हृदय और सांस के रोगियों के लिए यह स्थिति जानलेवा है। कचरे के पहाड़ पर लगी आग से वातावरण में घुल रहे धुएं पर उपराज्यपाल, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और सुप्रीम कोर्ट तक ने संज्ञान लिया। निगमायुक्त, प्रमुख सचिव व दिल्ली सरकार से जबाव मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बाबत अपनी टिप्पणी में कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि राजधानी में प्रतिदिन निकलने वाले 11,000 टन ठोस कचरे में से 3,000 टन का कानून के तहत उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है। खंडपीठ ने इसे स्तब्ध करने वाली बात कहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 को लागू हुए आठ साल हो गये हैं लेकिन दिल्ली में इसका कोई पालन नहीं हो रहा है। यदि पूरे देश के हालात का जायजा लें तो देश में हर साल 277 अरब किलो कचरा निकलता है। इसमें से केवल 70 फीसदी ही इकट्ठा किया जाता है। बाकी जमीन और पानी में फैला रहता है। इकट्ठा किये कचरे में से आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या उसे जमीन में दबा दिया जाता है। देश में निकलने वाला कचरा इंडस्ट्रियल और म्युनिसिपल दो तरह का होता है। इंडस्ट्रियल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी उद्योगों और म्युनिसिपल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होती है। देश में कुल कचरे में से सिर्फ 5वें हिस्से की रिसाइकिलिंग हो पाती है। जिस तरह कचरे की रिसाइकिलिंग होती है उससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भारत में सबसे बड़े महानगर मुंबई और दिल्ली में खुले में कचरा फेंका जाता है। खुले में फेंके कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और दूसरी जहरीली धातुएं होती हैं। देश में सालाना जितनी जहरीली मिथेन उत्सर्जित होती है, उसमें से 20 फीसदी सिर्फ इन कचरे के ढेरों से निकलती हैं। वैसे आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार और बढ़ेगी, तब ज्यादा तेज विकास के साथ कई गुणा कचरा बढ़ेगा। लेकिन सवाल है क्या हम उस स्थिति के लिए तैयार हैं। यदि अहमदाबाद, सूरत, नवी मुंबई, मैसूर और इंदौर की ही बात करें तो इन्होंने कचरा-संग्रह और उसके निपटान व स्वच्छता में एक विशिष्ट पहचान बनायी है। लेकिन क्या हमने इससे कुछ सीख ली है। ऐसी स्थिति में दिल्ली ही क्या, देश के हर शहर-कस्बे में कचरे के पहाड़ तेजी से बनेंगे। वे सुलगेंगे और लोगों की अनचाही मौत के कारण बनेंगे। उस दशा में आईपीसीसी की रिपोर्ट सही साबित हो जायेगी कि अगर यही रफ्तार रही तो 2050 में 3.4 गीगाटन कूड़ा-कचरा होगा जिसका निस्तारण हमारे सामर्थ्य से बाहर होगा। असल में, कचरा प्रबंधन के मामले में हम दूसरे देशों के मुकाबले बहुत पीछे हैं। वह चाहे इंडस्ट्रियल कचरा हो या म्युनिसिपल। ऐसी स्थिति में तो और विषम हालात हो जायेंगे जबकि वर्ल्ड बैंक के अनुसार 2030 में भारत में हर साल निकलने वाला कूड़ा-कचरा 388 अरब किलो हो जायेगा। इसलिए जरूरी है कि लोगों को घरों में ही अलग-अलग डस्टबिन में कूड़ा-कचरा रखने के बारे में जागरूक किया जाये जिससे रिसाइकिलिंग में आसानी हो सके।

विचार मंथन

प्रकृति की ताकत के आगे असहाय वैज्ञानिक

(लेखक- सनत जैन)

दुनिया में प्रकृति को नजर अंदाज करते हुए, मानवीय विकास को लेकर जो नए-नए शोध और कार्य हुए हैं। उनसे प्रकृति को जिस तरह से खुली चुनौती दी जा रही है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करते हुए मानव विकास की जो नई संरचना तैयार की जा रही है। वह अपनी उच्चतम सीमा में पहुंच चुकी है। इस कारण अब प्रकृति ने भी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए प्रतिरोध करना शुरू कर दिया है। जिस मानवीय विकास की संरचना को बनाने में कई दशक लगे। प्रकृति ने उसे एक ही झटके में समाप्त कर, यह बता दिया है, कि सीमा रेखा तोड़ोगे तो उसका फल भी भुगतना पड़ेगा। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग बेकाबू हो चुकी है। पांइस में स्थित आईटीआई का भवन जंगल की आग में पूरी तरह जल गया है। जंगल की आग नैनीताल हाईकोर्ट तक पहुंच गई है। नैनीताल, भीमताल, रानीखेत, अल्मोड़ा, कमाऊ के जंगल धधक रहे हैं। सेना एवं स्थानीय प्रशासन आग बुझाने में लगी। आग पर काबू पाने में बहुत समय लगा, जिससे जंगल ही बर्बाद हो गया। इसके पहले भी हिमालय की तराई में भू-स्खलन की सैकड़ो घटनाएं हो चुकी हैं। पहाड़ फट रहे हैं। पिछले दो दशकों में हिमालय के पहाड़ों को खोदकर जिस तरह बांध बनाए गए हैं। पावर स्टेशन खड़े किए गए हैं। रोड बनाने के लिए पहाड़ों को काटा गया है। रेल मार्ग के लिए पहाड़ों को एक-दूसरे से जुदा कर दिया गया है। इन सब कृत्यों से शांत पहाड़ों में ऐसा कंपन शुरू कर दिया गया, जिसके कारण हिमालय अब अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए, मानवीय विकास की कल्पनाओं और संरचनाओं को एक ही झटके में धूल-धूसरित कर रहा है।

हिमालय क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। पिछले साल ही शिमला, उत्तराखंड के कई इलाकों में भूस्खलन की बड़ी-बड़ी घटनाएं हुई। यहां का मौसम भी बड़ी तेजी के साथ बदलने लगा। अप्रैल के महीने में जून जैसी गर्मी पहाड़ों में पड़ रही है। हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे। भारत में नहीं, बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप बढ़ रहा है। जो मानवीय एवं प्रकृतिजन्य जीवन के लिए सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। जिस तरह से इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पहाड़ों और प्राकृतिक संरचनाओं को खोखला किया गया। इसका विरोध समय-समय पर वैज्ञानिकों, साधु संतों और (शंकराचार्यों) ने भी किया था। भारत सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। परिणाम स्वरूप प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल भी अब सुरक्षित नहीं हैं। अयोध्या मैं रामलला के मंदिर का निर्माण हुआ। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारों शंकराचार्यों ने कहा, जब तक मंदिर के शिखर का निर्माण नहीं होता है ऐसी अवस्था में भगवान प्राण प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है। सरकार ने अहंकार के चलते, सनातन धर्म के सबसे बड़े धर्म गुरुओं (शंकराचार्यों) की बात भी नहीं मानी। जबकि उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा था यदि अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होगी, तो प्रकृति-जन्य आपदा आना निश्चित है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चारों शंकराचार्य में से कोई भी शंकराचार्य शामिल नहीं हुआ। अब जिस तरह की प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिल रही हैं। उसके बाद यही कहा जा सकता है, प्रकृति के नियमों का पालन नहीं किए जाने पर प्रकृति अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रयास कर रही है। उसे ही प्राकृतिक आपदा कहा जाता है।

यहां केवल भारत की बात नहीं हो रही है। पूरी दुनिया के देशों में जिस तरह से प्रकृति को चुनौती देते हुए मानवीय विकास और मानवीय अहंकार के चलते जिस तरह से विकास और आग्नेयू शास्त्रों के माध्यम से राज करने का जो प्रयास हो रहा है, उसके कारण दुनिया के देश विनाश के रास्ते पर चल पड़े हैं। अब इसे प्राकृतिक आपदा कहें, या ईश्वर का प्रकोप कहें। इसमें सभी एक राय नहीं हो सकते हैं। विकास की इस दौड़ में मानव जाति अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति अथवा ईश्वर को चुनौती देने का काम कर रही है। यही कारण है, कि दुनिया के सारे देशों में अब प्राकृतिक आपदाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। विकसित राष्ट्र भी अब इससे अछूते नहीं रहे। अमेरिका, यूरोपीय देश, रूस, चीन जैसी महाशक्तियों को भी प्राकृतिक आपदा झेलनी पड़ रही है। अरब के देशों में बाढ़ आ रही है, जहां रेत का समंदर है वहां बारिश का सैलाब बता रहा है कहीं कुछ तो गलत हुआ है। लगातार भूकंप के झटके दुनियां को सचेत कर रहे हैं, सुप्त ज्वालामुखी अब मुंह खोलने को तैयार नजर आने लगे हैं। ये प्राकृतिक आपदाओं से विकास इन्फास्ट्रक्चर नष्ट हो रहा है। वैसे भी मानवीय शक्ति जब-जब भगवान बनने की कोशिश करती है, तब-तब ईश्वर का (प्रकृति) प्रकोप इसी तरह से सामने आता है। इस खतरे की घंटी से सभी को सावधान होने की जरूरत है। भौतिक संसाधन और कृत्रिम विकास अल्पकालीन होते हैं, इन्हें दीर्घकालीन नहीं बनाया जा सकता है। इस तथ्य को सभी को समझना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिंद्रा लाइफस्पेस का मुनाफा घटकर 98 करोड़

नई दिल्ली । महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकास इकाई महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2023-24 में मामूली घटकर 97.89 लाख रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का मुनाफा 101.43 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार कंपनी की कुल आमदनी बीते वित्त वर्ष में घटकर 279.12 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 659.56 करोड़ रुपये थी। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 71.15 करोड़ रुपये हो गया, जो मार्च, 2023 तिमाही में सिर्फ 55 लाख रुपये था। कंपनी की कुल आमदनी मार्च तिमाही में घटकर 54.60 करोड़ रुपये रह गई, जो मार्च, 2023 तिमाही में 270.26 करोड़ रुपये थी।

साई स्वामी मेटल्स का आईपीओ 30 को खुलेगा

नई दिल्ली । स्टेनलेस स्टील के उत्पाद बनाने वाली कंपनी साई स्वामी मेटल्स एंड अलॉयज लिमिटेड निवेशकों से करीब 15 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 30 अप्रैल को पूंजी बाजार में उतरेगी। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसका आईपीओ मंगलवार को खुलेगा और तीन मई पर बंद होगा। शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। डॉल्फिन ब्रांड के तहत स्टेनलेस स्टील उत्पाद बनाने वाली अहमदाबाद स्थित कंपनी ने आईपीओ के तहत बोली के लिए प्रति इक्विटी शेयर कीमत 60 रुपये तय की है।

श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा उछलकर 2,021 करोड़ रुपए हुआ

मुंबई । श्रीराम फाइनेंस का बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 57 प्रतिशत उछलकर 2,021 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बताया कि मुनाफे में यह उछाल कम कर्ज प्रावधानों में कमी और मुख्य आय बढ़ने से हुआ। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,288 करोड़ रुपये रहा था। बीते वित्त वर्ष में कंपनी का मुनाफा 22.9 प्रतिशत बढ़कर 7,399 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की ब्याज आय मार्च तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 5,543 करोड़ रुपये रही, जो मार्च, 2023 तिमाही में 4,534 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कर्ज प्रावधान सिर्फ 6.72 प्रतशत बढ़कर 1,265 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की प्रबंधन अधीन संपत्ति (एयूएम) मार्च तक 21 प्रतिशत बढ़कर 2,24,862 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में 1,85,682.86 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर 15 रुपये के अंतिम लाभांश (150 प्रतिशत) की सिफारिश की। यह आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है।

एनडीटीवी को मार्च तिमाही में 8.74 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली । अडाणी समूह की मीडिया कंपनी एनडीटीवी को वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 8.74 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एक साल पहले की समान तिमाही में उसे 1.35 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। हालांकि कंपनी का राजस्व मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में 59 प्रतिशत बढ़ गया। डिजिटल मौजूदगी बढ़ने से कंपनी को राजस्व बढ़ाने में मदद मिली। एनडीटीवी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे मार्च तिमाही में 8.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही के 10.13 करोड़ रुपये की तुलना में बीती तिमाही में कंपनी के घाटे में कमी आई है। एनडीटीवी की आलोच्य अवधि में परिचालन आय 66.96 करोड़ रुपये से बढ़कर 106.52 करोड़ रुपये हो गई। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 22.54 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया जबकि एक साल पहले उसे 52.18 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।

बीएमडब्ल्यू ने बाजार में उतारी नई इलेक्ट्रिक सेडान

मुंबई ।

लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू ने भारतीय बाजार में एक और नई कार लांच कर दी है। कंपनी ने ऑल इलेक्ट्रिक सेडान कार बीएमडब्ल्यू आई5 एम60 को भारतीय बाजार में पेश कर दिया है। ये कार कंपनी के एम परफॉर्मेंस मॉडल पर आधो रित है। हालांकि ये कार कम्पलीट बिल्ट अप यूनिट के साथ आएगी। ये पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार है, ये कार सिंगल चार्ज पर 500 से ज्यादा किलोमीटर चलती है। कंपनी ने कार में इल्यूमिनेटेड किडनी ग्रिल दिया है। इसके अलावा कार में एडाप्टिव एलईडी हेडलाइट दी हैं। कार में 20 इंच के एम लाइट एलॉय व्हील्स मिलते हैं। कंपनी ने कार में काफी अच्छा स्पेस दिया है। कंपनी ने कार में स्पोर्ट्स सीट्स दी हैं, जो इलेक्ट्रिक तरीके से ऊंची और एनक्लाइन हो सकती हैं। कार में एक्टिव सीट वेंटिलेशन मिलता है। 18 स्पीकर्स दिए गए हैं, जो 655 वॉट का आउटपुट देते हैं। कार में एम लेदर स्टीये रिंग व्हील दिया गया है। कंपनी ने इस कार को व्हाइट, ग्रे, ब्लैक, ग्रीन, ब्लू, सफायर समेत कई कलर ऑप्शन्स में पेश किया है। कंपनी ने इस कार को 1.19 करोड़ रुपए की शुरुआती एक्स-शोरूम के साथ पेश किया है।

एटीसी टेलीकॉम ने वीआई में हिस्सेदारी 1,840 करोड़ में बेची

नई दिल्ली।

एटीसी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर ने दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया (वीआईएल) में अपनी पूरी 2.87 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,840 करोड़ रुपये में बेच दी। अमेरिकन टॉवर कॉरपोरेशन (एटीसी) टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर वीआई के लिए सबसे बड़ी बुनियादी ढांचागत सेवा प्रदाता कंपनियों में से है। एनएसई पर उपलब्ध सौदे की जानकारी के अनुसार एटीसी टेलीकॉम ने वीआईएल में 2.87 प्रतिशत हिस्से यानी कुल 144 करोड़ शेयर बेचे। शेयरों का निपटान औसतन 12.78 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर किया गया, जिससे पूरा सौदा 1,840.32 करोड़ रुपये का रहा। इस बीच सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस ने 49.12 करोड़ से अधिक शेयरों यानी वीआईएल में 0.98 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। शेयर 12.70 रुपये की औसत कीमत पर खरीदे गए। इस प्रकार सौदे का मूल्य 623.88 करोड़ रुपये रहा। हालांकि सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस ने वीआईएल के 98.74 लाख शेयर 13.47 रुपये की दर पर बेचे। इस तरह सौदे का मूल्य 13.30 करोड़ रुपये का रहा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 640.3 अरब डॉलर

मुंबई ।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में गिरावट आने से 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.83 अरब डॉलर कम होकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 640.3 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 5.4 अरब डॉलर घटकर 643.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से हाल ही में जारी` किए गए साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.8 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 560.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं इस अवधि में स्वर्ण भंडार एक अरब डॉलर बढ़कर 56.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 4.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.03 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर कम होकर 4.6 अरब डॉलर रह गया।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी देखी गई। लगातार पांच दिनों से तेजी दिखा रहे शेयर बाजार सप्ताह के ओ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह के आखिर में वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुझानों के बीच निवेशकों ने बैंकिंग, वित्तीय और उपभोक्ता टिकाऊ शेयरों में निवेश कम कर दिया। इस वजह से भी बाजार के बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में पांच दिनों की तेजी के बाद बिकवाली देखने को मिली। व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, रुपये में गिरावट और लगातार विदेशी फंड की निकासी से धारणा पर असर पड़ा है। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एशियाई बाजारों में तेजी, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की बढी खरीदारी के बीच बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स कारोबार में 639 अंक चढ़कर 73,728 पर खुला और 639 अंक चढ़कर 73,728 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 190.1 अंक की बढ़त के साथ 22,337.10 पर खुला और 190.1 अंक की बढ़त के साथ 22,337.10 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के बाद भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 314 अंक बढ़कर 73,947 पर खुला और 314 अंक बढ़कर 73,947 पर बंद हुआ। निफ्टी 90 अंक की बढ़त के साथ 22,426 पर खुला और 31.60 अंक मजबूत होकर 22,368.00 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरे निशान पर कारोबार की शुरूआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 152.05 अंकों की बढ़त के साथ 73,908.99 के स्तर पर खुला और 114 अंक की बढ़त के साथ 73,852 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.71 अंक उछलकर 22,409.70 के लेवल पर खुला और 34 अंक मजबूत होकर 22,402 पर बंद हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी के बीच शेयर बाजार ने पिछले चार दिनों की तेजी गंवा दी। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 296.79 अंक गिरकर 73,556.15 अंक पर खुला और 486.50 अंकों की बढ़त के साथ 74,339.44 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.15 अंक टूटकर 22,305.25 पर खुला और 167.95 अंक मजबूत होकर 22,570.35 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 87 अंकों की बढ़त के साथ 74,424 पर खुला और 609.28 अंक (0.82 फीसदी) की गिरावट के साथ 73,730.16 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 28 अंक मजबूत होकर 22,598 पर खुला और 150.40 अंक टूटकर (0.67 फीसदी) 22,419.95 के स्तर पर बंद हुआ।

मारुति अपने शेयरधारकों को 125 रुपए का डिविडेंड देगी

मुंबई ।

देश की सबसे बडी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजकी ने डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी अपने शेयरधारकों को हर शेयर पर 125 रुपये का डिविडेंड देगी। कंपनी के बोर्ड ने 26 अप्रैल को 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 125 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड को मंजूरी दे दी। यह कंपनी के इतिहास का सबसे बड़ा डिविडेंड है। मारुति ने एक बयान में कहा कि डिविडेंड के प्रस्ताव को आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों के अप्रुवल की जरूरत होगी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने 8 जुलाई 2004 से 20 बार डिविडेंड घोषित किए हैं। पिछले 12 महीनों में कंपनी ने प्रति शेयर 90 रुपये का इक्विटी डिविडेंड घोषित किया है। मौजूदा शेयर प्राइस पर मारुति सुजुकी का डिविडेंड यील्ड 0.71 फीसदी है। कंपनी ने इसके पहले 2023 में 90 रुपये का और 2022 में 60 रुपये का डिविडेंड जारी किया था। मारुति सुजुकी इंडिया ने इसके साथ ही वित्त् वर्ष 24 की चौथी तिमाही के नतीजे भी जारी किए हैं। मार्च तिमाही में कंपनी ने 3,878 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो कि एक साल पहले की अवधि से 48 फीसदी अधिक है। इस दौरान कंपनी को 38235 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हुआ जो सालाना आधार पर 19 फीसदी अधिक रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंड क्रूड का मूल्य 0.49 डॉलर की बढ़त के साथ 89.50 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.28 डॉलर की उछाल के साथ 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों से जून तक नहीं मिलेगी राहत

- तापमान का सामान्य से अधिक रहना सब्जी उत्पादकों, उपभोक्ताओं के लिए बढ़ा रहा चुनौतियां

नई दिल्ली ।

महंगाई कम करने और बढ़ाने में सहायक सब्जियों की ऊंची कीमतों से जून तक राहत मिलने के आसार नहीं है। इसकी वजह है तापमान का सामान्य से अधिक रहना, जो सब्जी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए चुनौतियां बढ़ा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मौसम के अनियमित पैटर्न और पर्यावरण संबंधी अन्य कारक सब्जियों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। इनकी जल्द खराब होने की प्रवृत्ति भी बफर स्टॉक बनाने और आयात जैसे विभिन्न उपायों के जरिये कीमतों को नीचे लाने के प्रयास को सीमित कर रही हैं। इसके अलावा देश में कोल्ड स्टोरेज जैसी पर्याप्त बुनियादी ढांचा सुविधाएं नहीं होने से कीमतों को स्थिर करने के प्रयास और जटिल होते जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में खाद्य महंगाई बढ़ाने में सब्जियों का करीब 30 फीसदी योगदान था। यह उनकी 15.5 फीसदी की सामान्य हिस्सेदारी से ज्यादा है। भारत जलवायु दृष्टि से सर्वाधिक प्रभावित होने वाला देश है। लू, बाढ़ और तूफान जैसे मौमसी कारकों से सब्जियों के उत्पादन एवं कीमतों के मोर्चे पर जोखिम बढ़ रहा है। बढ़ता तापमान कीटों की समस्या को बढ़ा रहा है। इससे सब्जी उत्पादन व कीमतें प्रभावित हो रही हैं। `रिपोर्ट ने कहा है` कि 2023-24 के दौरान देश में सब्जियों की कीमतें उच्च स्तर पर पहुंच गईं। टमाटर व प्याज की कीमतों ने उपभोक्ताओं का बजट बिगाड़ दिया। लहसुन, अदरक, बैंगन, परवल और बींस समेत अन्य सब्जियों के दाम में भी तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी। उपभोक्ता मंत्रालय के मुताबिक खुदरा बाजार में टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें एक साल में 42 फीसदी तक बढ़ गई हैं। टमाटर की कीमत 26 अप्रैल, 2024 को 33.55 रुपये प्रति किलोग्राम रही। यह 26 अप्रैल, 2023 के 23.59 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 42.22 फीसदी अधिक है। प्याज के दाम 22.35 रुपये से 40.67 फीसदी बढ़कर 31.44 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गए। आलू की कीमत भी 20.04 रुपये से 38.37 फीसदी बढ़कर 27.73 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई।

आरबीआई ने नियमित बैंक बनाने छोटे वित्त बैंकों से आवेदन मांगे

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमित बैंक बनाने के लिए छोटे वित्त बैंकों से आवेदन मांगे हैं। यह आवेदन सिर्फ उन बैंकों से मंगवाए गए हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ रुपये के न्यूनतम शुद्ध संपत्ति (नेटवर्थ) होने समेत निर्दिष्ट मानदंडों को पूरा कर लिया है। बता दें` कि आरबीआई ने नवबंर 2014 में निजी क्षेत्र के लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) को लाइसेंस देने से संबंधित दिशा निर्देश जारी किए थे। वर्तमान में करीब एक दर्जन लघु वित्त बैंक हैं, जिसमें एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक और इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक सहित अन्य शामिल हैं।

आरबीआई ने कहा कि नियमित बैंक बनाने का लक्ष्य रखने वाले लघु वित्त बैंक की पिछली तिमाही के अंत में शुद्ध संपत्ति कम से कम एक हजार करोड़ रुपये होनी चाहिए। इसी के साथ बैंक के शेयर किसी मान्यता प्राप्त शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना चाहिए। इसके अलावा बीते दो वर्षों में लघु वित्त बैंक का शुद्ध लाभ होना चाहिए। पिछले दो वित्त वर्षों में लघु वित्त बैंक का जीएनपीए तीन प्रतिशत तो एनएनपीए एक प्रतिशत से कम या फिर उसके बराबर होना चाहिए। कुछ माह पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कार्यक्रम में एनबीएफसी और एसएफबी को आगाह करते हुए कहा आपको अपनी सीमा रेखा का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा` कि उत्साह अच्छा है, लेकिन कभी-कभी लोगों के लिए इसे पचाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इसलिए सावधानी के तौर पर आरबीआई ने लघु वित्त बैंकों, एनबीएफसी को सचेत किया है कि वे इस बात को लेकर सावधान रहें और इतनी तेजी से आगे न बढ़ें कि बाद में उन्हें किसी नकारात्मक पहलू का सामना करना पड़े।

एलन मस्क ने एक ही दिन में कमाए 12.5 अरब डॉलर

अरनॉल्ट की नेटवर्थ में इस साल आई तेजी के बराबर है मस्क की एक दिन की कमाई

नई दिल्ली ।

टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कई कंपनियों के सीईओ एलन मस्क ने पिछले दिनों जमकर कमाई की। टेस्ला के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक तेजी रही और इससे मस्क की नेटवर्थ में 12.5 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल यह मस्क की नेटवर्थ में एक दिन में आई सबसे बड़ी उछाल है। यह दुनिया के सबसे बड़े रईस बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ में इस साल आई कुल तेजी के बराबर है। फ्रांसीसी बिजनसमैन की नेटवर्थ में इस साल 12.9 अरब डॉलर की तेजी आई है। हालांकि मस्क इस साल सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने वाले अरबपति है। उनकी नेटवर्थ में इस साल 50.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 179 अरब डॉलर है। अरनॉल्ट 220 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं जबकि ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 199 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर है। बुधवार को उनकी नेटवर्थ में 2.59 अरब डॉलर की गिरावट आई। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट फर्म मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग 175 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 47.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स (150 अरब डॉलर) पांचवे, लैरी पेज (143 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बालमर (142 अरब डॉलर) सातवें, सर्गेई ब्रिन (135 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (134 अरब डॉलर) नौवें और लैरी एलिसन (129 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 80.5 करोड़ की गिरावट आई। वह 112 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 15.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी बुधवार को 50.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। उनकी नेटवर्थ 98.8 अरब डॉलर है। इस साल इसमें 14.6 अरब डॉलर की तेजी आई है।

सेबी ने आठ कंपनियों को प्रतिबंधित किया

मुंबई ।

बाजार नियामक सेबी ने आठ इकाइयों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। नियामक ने इन कंपनियों की ओर से फ्रंट रनिंग गतिविधियों से अर्जित 1.3 करोड़ रुपये के गैरकानूनी लाभ को भी जब्त कर लिया। इन आठ संस्थाओं में अशोक माहेश्वरी, दर्शन बकुल शाह, खुशबू दर्शन शाह, दर्शन बकुल शाह (एचयूएफ), बेंजर डिपार्टमेंट स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड, सीएचएल स्टॉक कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, चिराग महेंद्र शाह और मिहिर धीरजलाल सावला शामिल हैं। अन्य फ्रंट रनिंग मामले में मैक्सग्रो फिनट्रेड सहित चार ने तीन करोड़ रुपये भरकर सेबी के साथ मामले का निपटान किया है। है। इनमें भाविन दोशी, नितेश जैन और आतिश शाह हैं। इन सभी ने चुनिंदा शेयरों में कारोबार कर अवैध तरीके से 85 लाख की कमाई की थी।

आईपीएल 2024 : गुजरात टाइटंस का आरसीबी से मुकाबला आज

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में रविवार को यहां गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। गुजरात को जहां पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आरसीबी ने अपने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबार को हराकर अपनी लय हासिल करने का प्रयास किया है। अंक तालिका की बात करें तो गुजरात की टीम नौ मैच में आठ अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर काबिज है। वहीं आरसीबी चार अंकों के साथ ही सबसे नीचे दसवें नंबर पर है।

गुजरात जायंट्स को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर अंकुश लगाना होगा। विराट ने इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं। इसके साथ ही उसे आरसीबी के मध्यक्रम को भी रन बनाने से रोकना होगा। गुजरात की टीम का अगर प्लेऑफ के लिए संभावनाएं रखनी हैं तो उसे हर हाल में जीत हासिल करनी होगी।

गुजरात के तेज गेंदबाजों को सुधार की जरुरत है। इस पूरे आईपीएल में उनकी तेज गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर रही है। उसके गेंदबाजों मोहित शर्मा , उमेश यादव, संदीप वारियर ने अब तक काफी रन दिये हैं जबकि स्पेंसर जॉनसन और अजमतुल्लाह उमरजई जैसे अन्य तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। उनके स्पिनर राशिद खान , आर साई किशोर और नूर अहमद भी अब तक उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं, राशिद ने हालांकि निचले क्रम पर फिनिशर की अच्छी जिम्मेदारी निभाई है।

उसके गेंदबाजों को आरसीबी के मध्यक्रम में मौजूद रजत पाटीदार और कैमरन ग्रीन से सावधान रहना होगा। रजत भी पिछले कुछ मैचों से लय में आ गये हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ बेहद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दो मैचों में स्पिनरों पर हमला करते हुए अर्धशतक लगाये हैं। वहीं ग्रीन ने भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 20 गेंद में 37 रन की पारी खेली थी।

इसके अलावा निचले क्रम में आरसीबी के पास दिनेश कार्तिक और महिपाल लोमरोर

जैसे बल्लेबाज हैं। विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसी ने सभी मैचों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी है।

गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी इसमें कमजोर रही है। उसके मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और यश दयाल के अलावा कैमरन ग्रीन ने अब तक निरशा किया है। स्पिनरों की बात करें तो लेग स्पिनर कर्ण शर्मा भी साधारण रहे हैं।

दूसरी ओर गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन पर आधारित रही है। इनके अलावा डेविड मिलर , विजय शंकर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी भी उसके पास हैं पर ये सभी अब तक टीम को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा पाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो ये मुकाबला बराबरी का रहेगा।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार वैश्यक। आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, केन विलियमसन, अभिनव मनोहर, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकांडे, विजय शंकर, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, नूर अहमद, साई किशोर, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा, अजमतुल्लाह उमरजई, उमेश यादव, शाहरुख खान, सुशांत मिश्रा, कार्तिक त्यागी, मानव सुथार, स्पेंसर जॉनसन, संदीप वारियर, बी आर शरथ।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए युवराज को ब्रांड एम्बेसडर बनाया

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को जून में होने वाले आईसीसी ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। आईसीसी ने एक कार्यक्रम में युवराज को ब्रांड एम्बेसडर बनाये जाने की पुष्टि की है। युवराज ने टी20 विश्व कप के पहले ही संस्करण में एक ओवर में छह छक्के लगाये थे। उसी के प्रति सम्मान व्यक्त करने आईसीसी ने उन्हें ब्रांड एमबेस्डर बनाया है।

इससे पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और दिग्गज एथलीट उसेन बोल्ट को भी इस टूर्नामेंट के लिए ब्रांड एम्बेस्डर बनाया गया था। युवराज ब्रांड एमबेस्डर के तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में टी20 विश्व कप से पहले और उसके दौरान विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेंगे जिसमें 9 जून को न्यूयॉर्क में भारत और पाकिस्तान मैच भी शामिल है।

युवराज ने उन्हें ब्रांड एम्बेसडर बनाये जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। इस पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने इस पर कहा, टी20 विश्व कप में खेलने से मेरी कुछ सबसे अच्छी क्रिकेट यादें जुड़ी हैं, जिसमें एक ओवर में छह छक्के लगाना भी शामिल रहा है, इसलिए इस संस्करण का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है।

उन्होंने कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है, जहां प्रशंसक इसे देखने के लिए आते हैं और एक ऐसा माहौल बनाते हैं जो दुनिया के उस हिस्से के लिए पूरी तरह से अनोखा है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी क्रिकेट का विस्तार हो रहा है और मैं उस विकास का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं।

वहीं आईसीसी महाप्रबंधक विपणन और संचार क्लेयर फर्लांग ने युवराज को ब्रांड एम्बेस्डर के रूप में नियुक्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, युवराज को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के ब्रांड एम्बेस्डर के रूप में नियुक्त करना सम्मान की बात है। उनका नाम टी20 विश्व कप का पर्याय है।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल की लोकप्रियता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में महिला फुटबॉल की लोक्रपियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जार रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

तिलक-हार्दिक की पारी गई बेकार, दिल्ली ने मुंबई को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2024 के 43वां मैच में 10 रन से जीत दर्ज की है। दिल्ली ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए जेक फ्रेजर-मैकगर्क की 27 गेंदों पर 11 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 84 रन की धमाकेदार पारी की बदौलत 4 विकेट के नुकसान पर 257 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी मुंबई की शुरूआत भले ही धीमी रही लेकिन तिलक वर्मा (63) और हार्दिक पांड्या (46) ने उम्मीद जगाई लेकिन 247/9 के स्कोर के साथ लक्ष्य को भेदने में नाकाम रहे।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई दिल्ली ने पहले ही ओवर में तेवर जाहिर कर दिये थे जब ल्यूक वुड को जैक ने तीन चौके और एक छक्का जड़ा। दूसरे ओवर में आए जसप्रीत बुमराह को भी उन्होंने नहीं बख्शा और पहली गेंद पर लांग आन में छक्का, दूसरी पर मिडआन में चौका तथा छठी गेंद पर मिडविकेट में चौके समेत 18 रन निकाले। इस सत्र में शानदार फॉर्म में दिख रहे बुमराह का यह सबसे महंगा ओवर रहा। तीसरे ओवर में नुवान तुषारा को पोरेल ने मिडआफ पर चौका जड़ा। इसके बाद मैकगुर्क ने कवर्स, फाइन लेग और स्ट्रेट में तीन चौके लगाकर रनगति को तूफानी गति से बढाए रखा।

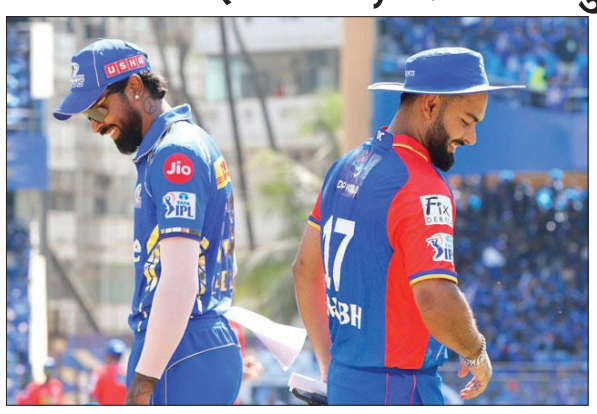

उन्होंने अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला के अगले ओवर में छक्का लगाया और इसी ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया। पांचवें ओवर में मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या गेंदबाजी के लिए आए तो मैदान पर 'रोहित रोहित% का शोर गूंजने लगा। खराब फॉर्म में चल रहे हार्दिक ने अपने पहले ही ओवर में 20 रन लुटाये और मैकगुर्क ने उन्हें दो छक्के तथा दो चौके जड़ डाले। बुमराह ने छठे ओवर में दबाव कुछ कम करने की कोशिश करते हुए सिर्फ तीन रन दिए। दिल्ली ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 92 रन बनाए। हार्दिक को सातवें ओवर में पोरेल ने नसीहत दी और दो चौके तथा दो छक्कों समेत 21 रन निकाले।

खतरनाक हो चुकी इस साझेदारी को आखिरकार आठवें ओवर में चावला ने तोड़ा जब उनकी गेंद पर मैकगुर्क ने मिडविकेट में मोहम्मद नबी को कैच थमाया। वहीं पोरेल भी दसवें ओवर में नबी का शिकार हुए और आगे बढकर खेलने के प्रयास में ईशान किशन की चुस्त स्टम्पिंग पर विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 27 गेंद में 36 रन बनाए जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। दोनों जमे हुए बल्लेबाजों के आउट होने के बाद शाई होप ने जिम्मा संभाला और अगले ओवर में चावला को लांग आन पर छक्का लगाकर दबाव कम करने की कोशिश की। उन्होंने 12वें ओवर में नबी को भी दो छक्के लगाए।

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने नुवान तुषारा को अगले ओवर में एक चौका और एक छक्का जड़कर दर्शकों को खुश कर दिया। वुड को दूसरे स्पेल में पहली दो गेंद पर होप ने छक्के जड़े लेकिन तीसरा छक्का लगाने के प्रयास में डीप मिडविकेट सीमारेखा के सामने तिलक वर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 17 गेंद में पांच छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। पंत 19 गेंउ में 29 रन बनाकर आउट हुए जिन्हें बुमराह ने रोहित शर्मा के हाथों लपकवाया। मुंबई के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। वुड ने 17 की इकॉनामी रेट से तो नुवान तुषारा ने 14 रन प्रति ओवर की दर से रन दिये ।सबसे महंगे हार्दिक रहे जिन्होंने दो ओवर में 41 रन दिए।

मयंक ने नेट अभ्यास शुरु किया, शीघ्र खेलते नजर आयेंगे : श्रीधरन

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने कहा है कि युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने नेट अभ्यास शुरु कर दिया है और वह शीघ्र ही

खेल में भी वापसी करेंगे। मयंक ने इस आईपीएल सत्र में पदार्पण के साथ ही पहले 2 मैचों में अपनी तूफानी रफ्तार से टीम को जीत दिलायी थी पर तीसरे मैच में उनके पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। इसके बाद डॉक्टरों ने मयंक को आराम की सलाह दी थी। अब वह तीन सप्ताह के आराम के बाद एक बार फिर नेट अभ्यास की ओर लौट गये हैं। 21 साल के इस तेज गेंदबाज ने अपने पहले दो मैचों में लगातार 3-3 विकेट लिए और लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पार करके सभी को हैरान कर दिया था। कोच श्रीधरन ने कहा कि वह आज नेट में गेंदबाजी कर रहा है। हम देखेंगे कि वह कैसे गेंदबाजी करता है। वह फिर से खेलने के काफी करीब है ये तो तय है।

ऋषभ के शानदार प्रदर्शन से इस क्रिकेटर की वापसी हुई मुश्किल

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत ने आईपीएल में वापसी के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। ऋषभ ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की है उससे युवा ईशान किशान सहित अन्य विकेटकीपरों के लिए अब टीम में जगह बनाना बेहद मुश्किल रहेगा। ऋषभ ने आईपीएल के 9 मैचों में 48.86 के औसत से 342 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 161.32 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए तीन अर्धशतक भी लगाये हैं। ऐसे में जून में होने वाले टी20 विश्व कप में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। वहीं ईशान का प्रदर्शन आईपीएल में भी अब तक कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने आईपीएल से पहले जिस प्रकार से घरेलू और टेस्ट क्रिकेट से दूरी बनायी उससे भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नाराजगी जतायी थी। इसे में अब उनके लिए एक बार फिर भारतीय टीम में जगह बनाना कठिन होगा। टी20 विश्वकप में भी उन्हें शायद ही जगह मिले। इसका कारण है कि ईशान टीम इंडिया में बतौर विकेटकीपर खेलते हैं और वह विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं है। ऐसे में उनकी राह और भी कठिन हो गयी है क्योंकि इस समस विकेटकीपर के लिए संजू सैमसन , केएल राहुल सहित कई और विकल्प उपलब्ध हैं।

आईपीएल 2024 : हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए बेताब होगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। लगातार हार का सामना करने वाली गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के लिए बेताब होगी। नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई में सत्र में अच्छी शुरुआत करने वाली सीएसके को पिछले दो मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स ने दो बार हराया है।

सीएसके को अपने ही मैदान चेपक स्टेडियम में हारते हुए देखना बहुत ही विरले होता है लेकिन मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने 210 का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। सीएसके आठ मैच में चार जीत और इतनी ही हार से तालिका में पांचवें स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के भी आठ अंक हैं। इसलिये सीएसके अपनी लय में वापसी के लिए बेताब होगी क्योंकि अब प्लेऑफ की दौड़ तेज हो जायेगी।

सीएसके रविवार को तीसरे नंबर पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी जिसने इस सत्र में दो बार आईपीएल के उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा है। लेकिन पिछले मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान गायकवाड़ और फॉर्म में चल रहे शिवम दुबे के इर्द गिर्द घूमती है। गायकवाड़ ने इस सत्र में अपना दूसरा आईपीएल शतक बनाया है और दुबे ने भी एक और अर्धशतक जड़कर प्रभावित किया।

रविंद्र जडेजा ने भी बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन शीर्ष क्रम का अनिरंतर प्रदर्शन टीम के लिए एक समस्या बनी हुई है। रचिन रविंद्र और डेरिल मिचेल रन नहीं जुटा पा रहे हैं जो चिंता का विषय है। इसके कारण ही सीएसके को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

गेंदबाजी की बात की जाए तो टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ काफी मुश्किल हुई और चेपक में ओस ने उनके स्पिनरों को बेअसर कर दिया जिससे मेहमान टीम ने 213 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। तेज गेंदबाजों ने

लखनऊ की टीम के चार विकेट झटक लिये लेकिन स्पिनर जूझते नजर आए और खराब क्षेत्ररक्षण ने उसकी उम्मीदों पर पानी फैर दिया।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की बात की जाये तो आत्मविश्वास से भरी टीम को गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से घरेलू मैदान पर सत्र की तीसरी हार झेलनी पड़ी। हालांकि इससे उसके बल्लेबाजों की लय में रूकावट नहीं होगी और वे सीएसके के खिलाफ मिले हर मौके का फायदा उठाना चाहेंगे। आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद का शीर्ष और मध्य क्रम नाकाम रहा और मुख्य कोच डेनियल विटोरी को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना शायद सही नहीं होगा। मेहमान टीम के बल्लेबाजी क्रम में कोई फेरबदल होने की संभावना नहीं है। लेकिन ऐडन मार्कराम को रन जुटाने की जरूरत है जो पिछले दो मैच में इकाई के अंक पर आउट हुए।

गेंदबाजी में सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पिछले तीन मुकाबलों में सिर्फ एक विकेट ले पाये हैं। उमरान मलिक, फजलहक फारूकी और आकाश सिंह जैसे खिलाड़ी खेलने का इंतजार कर रहे हैं जिससे सनराइजर्स हैदराबाद एक बार उन्हें मौका देने के बारे में सोच सकती है, विशेषकर जम्मू के तेज गेंदबाज को क्योंकि वह 150 किमी प्रति घंटे से रफ्तार से गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।

टीम

चेन्नई सुपर किंग्स - रचिन रवींद्र, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेरिल मिशेल, शिवम दुबे, अजिंक्य रहाणे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (विकेटकीपर), दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मथीशा पथिराना, मुस्तफिजुर रहमान

सनराइजर्स हैदराबाद - अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, नितीश रेड्डी, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, जयदेव उनादकट

आईपीएल में पंजाब-केकेआर मैच में बने कई रिकार्ड

कोलकाता । आईपीएल के 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए मुकाबले में कई रिकार्ड बने हैं। इसमें दोनो ही टीम के ओपनरों ने अर्धशतक लगाये। वहीं इनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा रहा। इस मैच में पहले खेलते हुए केकेआर 261 रन बनाने के बाद भी हार गयी। इससे पहले कोई भी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए इतने रन बनाकर आउट नहीं हुई थी। पंजाब किंग्स ने 8 गेंद बाकी रहते ही ये मुकाबला जीत लिया। यह टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर था। इस मैच में चारों ही सलामी बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाये। इसमें केकेआर की ओर से फिल साल्ट ने 37 गेंदों पर 75 रन बनाए। वहीं सुनील नरेन ने 71 रन निकले। इनके बीच पहले विकेट के लिए 138 रनों की साझेदारी हुई। वहीं पंजाब किंग्स की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद पर 54 रनों की पारी खेली तो जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद पर नाबाद 108 रन बनाये। इन सभी का स्ट्राइक रेट 200 से टी20 क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी मैच में चारों ही सलामी बल्लेबाजों ने 50 से ज्यादा का स्कोर 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से बनाया है। इस मैच में तकरीबन हर बल्लेबाज से 160 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वहीं पंजाब के चार बल्लेबाज क्रीज पर उतरे और उसमें तीन का स्ट्राइक रेट 220 से ऊपर का रहा। बेयरस्टो के शतक से पंजाब किंग्स ने टी20 क्रिकेट के इतिहास में लक्ष्य पीछा करते हुए सबसे बड़े स्कोर को हासिल किया। वहीं इससे पहले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने इसी सत्र में केकेआर के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

हार से निराश श्रेयर बोले , हमें हालातों के अनुसार ढ़लना होगा

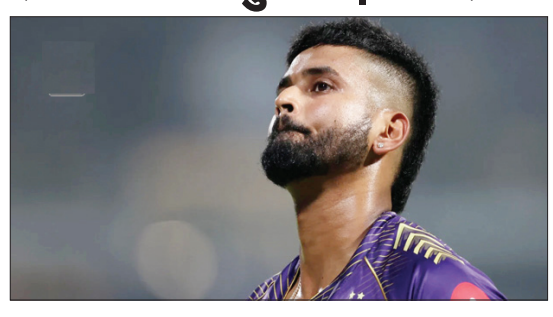

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर आईपीएल के लीग मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। अय्यर ने हालांकि हार के लिए किसी को दोष नहीं दिया है उन्होंने कहा कि हमें हालातों के अनुरुप ढ़लकर फिर से अपनी रणनीति बनानी होगी। केकेआर की टीम इस मैच में 262 रनों के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी जो टीम के लिए चिन्ता की बाज जरुर है। इससे पता चलता है कि टीम की गेंदबाजी अच्छी नहीं है। इस मैच में ईडन गार्डन्स के मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया था इससे बाद भी उसे असफलता मिली। उनके बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 261 रन बनाये पर ये जीत के लिए काफी नहीं थे। पंजाब किंग्स की ओर से जॉनी बेयरस्टो ने मैदान पर आते ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से बाजी पलट दी। 262 रनों का असंभव दिख रहे लक्ष्य को पंजाब किंग्स ने एक ओवर और दो गेंद पहले ही हासिल कर लिया। अय्यर ने मैच के बाद कहा कि टॉस के समय अगर उन्हें 261 रन दिए जाते तो वह आराम से इसे स्वीकार कर लेते। अय्यर ने कहा, जिस तरह से पंजाब के बल्लेबाजों ने बल्लेबाजी की उससे मैच उनके हाथ से फिसल गया। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और यह देखना एक सुखद अनुभव था। अय्यर के अनुसार दोनों टीमों ने बेहतरीन क्रिकेट खेला। उन्होंने कहा, दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया। यह उन मैचों में से एक रहा जहां आप देखते हैं कि कहां गलती हुई, खासकर जब 260 का स्कोर भी नहीं बच पाया। हमें अब हालातों के अनुरुप ढलना होगा और अगले मैच के लिए बेहतर रणनीति बनानी होगी।

भाला फेंक खिलाड़ी जेना दोहा चरण से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना 10 मई को डायमंड लीग के दोहा चरण से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। वह 28 मई को ओस्ट्रावा, चेक गणराज्य में गोल्डन स्पाइक और सात जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में भाग लेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा कि डायमंड में बेहतर प्रदर्शन पर उनकी नजरें इसलिए लगी हुई हैं क्योंकि इससे मनोबल बढ़ता है।

इस खिलाड़ी ने साथ ही कहा कि आजकली देश में सभी प्रकार की सहायता एथलीटों को मिल रही है। जेना ने कहा, देश में अब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं। अब सफलता के लिए केवल उन्हें अपने पर भरोसा रखना होगा। जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अपनी विचार धारा में सुधार करना होगा। उन्हें ये समझना होगा कि वे किसे से भी पीछे नहीं हैं।

जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को यह सोचने की जरूरत है कि वे किसी ने कम नहीं है क्योंकि देश में एथलीटों के लिए अभी पर्याप्त सुविधाएं हैं। जेना ने टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत ही वह पिछले दो माह तक गोल्ड कोस्ट में 35-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए गये थे। उन्होंने कहा कि गोल्ड कोस्ट में प्रशिक्षण के अनुकूल मौसम के अलावा ऐसा कुछ भी नहीं था जो भारत में उन्हें नहीं मिल सकता था। जेना ने कहा, '' हमारे पास यहां सब कुछ है, मैंने एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण लिया जहां सुविधाएं विश्व स्तरीय हैं।

इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण काफी अच्छी तरह से खिलाड़ियों का ध्यान रखता है। खिलाड़ियों को सभी प्रकार की आर्थिक सहायता भी मिल रही है। उन्होंने कहा, '' हमारे एथलीट किसी मामले में कम नहीं हैं केवल उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना होगा।''

नीरज का मुकाबला जर्मनी के मैक्स से होगा

नई दिल्ली । ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब जून में फिनलैंड में होने वाले पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे। इसमें नीरज का मुकाबला 18 जून को जर्मनी के मैक्स डेह्लिंग से रहेगा। इसका कारण है कि डेह्लिंग ने हाल ही में 90 मीटर से अधिक भाला फेंका था। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में जर्मनी के ही जूलियन वेबर से भी उन्हें चुनौती मिलेगी। चोपड़ा नूरमी खेलों से पहले 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट में भी उतरेंगे। उन्होंने इससे पहले पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा है। वहीं उन्होंने पिछले साल फिट नहीं होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है। पावो नूरमी विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज स्तर की प्रतियोगिता है। इसके साथ ही यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है। चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में उतरने जा रहे हैं। यहां जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी। इन खेलों के आयोजकों ने कहा, 'हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है। इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है। इस साल फरवरी में डेह्लिंग ने जर्मन विंटर थ्रोइंग चैंपियनशिप में 90.20 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर एक अहम उपलब्धि हासिल की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे बना भारत का मानचित्र?

'मानचित्र' शब्द मात्र से ही बच्चों को भूगोल की कक्षा की याद आ जाती है किन्तु बच्चों ने शायद ही यह कभी सोचा होगा कि शुरूआत में ये मानचित्र बने कैसे ? आज हम यह बता रहे हैं कि मानचित्र का इतिहास क्या है और भारत का मानचित्र कैसे बना ?

ईसा के लगभग तीन हजार वर्ष पहले पृथ्वी के एक बड़े भू-भाग को 'भारतवर्ष' का नाम दिया गया। अनेक शताब्दियों के बाद सातवीं सदी में भारत के महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त ने गणित को शून्य की इकाई दी। मानचित्र की वैज्ञानिक विधि का आधार भी गणित ही है।

मानचित्रण की कला, क्षेत्रफल मापना आदि हमारे देश में पौराणिक काल से ही चले आ रहे हैं। महाभारत, रामायण के अतिरिक्त पाणिनी, पतंजलि, कौटिल्य एवं कालिदास के काव्य भौगोलिक वर्णनों से ओत-प्रोत हैं। मानचित्रण का विज्ञान पृथ्वी के आकार ज्ञान के बिना असंभव है, इस बात का आभास हमारे पूर्वजों को पहले से ही था।

पृथ्वी के आकार को जानने के लिए अक्षांश एवं देशान्तर के महत्व को भी हमारे पूर्वज समझ चुके थे। दार्शनिक इरंटोस्थेनीज (ई.पू. 278-198) ने पृथ्वी की परिधि का आकलन कर बनाए गए विश्व के मानचित्र को प्रस्तुत कर मानचित्रण की प्रथम वैज्ञानिक आधारशिला रखी।

महान गणितज्ञ खगोलविद् एवं भूगोलविद् क्लॉडियस टोल्मी ने दूसरी शताब्दी में भारत के मानचित्र को बनाया। पांचवीं शताब्दी में भारत के महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने 'सूर्य सिद्धांत' लिखा। इसमें पृथ्वी की परिधि 25080 मील बताई गई। इसके साथ ही अन्य खगोलशास्त्री वराहमिहिर एवं भास्कराचार्य ने पृथ्वी के आकार के अतिरिक्त गुरुत्वाकर्षण को भी खोज निकाला।

समय एवं विकास के साथ-साथ विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की खोज में मनुष्यों की जिज्ञासा बढ़ती गई। पंद्रहवीं शताब्दी के अंतिम चरण में कोलंबस ने 1492 में प्रशांत महासागर पार कर लिया, वास्कोडिगामा ने 1497 में अफ्रीका तट छान लिया तथा मेगेलन ने 1519 से 1522 के मध्य सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगा लिया। अनुभवजन्य यात्राओं से एकत्रित भौगोलिक ज्ञान समयोपरांत वैज्ञानिक मानचित्रण का आधार बना।

पंद्रहवीं शताब्दी में छपाई कला का आविष्कार होने के बाद मानचित्र की प्रतियों को बनाना संभव हो गया। अकबर के दरबार में आए पादरी फादर मौन्सेरेट ने खगोलशास्त्रियों से प्राप्त विवरणों के आधार पर बादशाह के साम्राज्य का मानचित्र तैयार किया। अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल एवं बुद्धिमान प्रशासक शेरसाह सूरी के बनाए मानचित्रा नियमित भूमि-सर्वेक्षण पर आधारित थे। इन नक्शों की विश्वसनीयता ऐसी थी कि इनका प्रयोग अठारहवीं सदी के मध्य तक किया गया।

अकबर के राज्यकाल में ही सोलहवीं शताब्दी में जमीन की माप मूंज की रस्सियों के स्थान पर लोहे की कड़ियों से जुड़ी बांस की जरीबों से की जाने लगी। फ्रांसीसी भूगोलविद जॉ-वैपाडिस्ट ने 1752 ई. में भारत का मानचित्र बनाकर देश के भौगोलिक ज्ञान को एक वैज्ञानिक दिशा दी।

सत्राहवीं शताब्दी के मध्य तक त्रिकोणमितीय तकनीक अर्थात् खगोलविद्या की सहायता से स्थान विशेष की स्थिति जानने का ज्ञान हो चुका था। जयपुर के महाराजा जयसिंह (1693-1743) ने जयपुर, दिल्ली, मथुरा, उज्जैन एवं वाराणसी में खगोल वेधशालाएं (जंतर-मंतर) बनाकर भारत में इस कार्य में अग्रणी योगदान दिया। अठारहवीं शताब्दी के मध्य में अक्षांश एवं देशांतर मापने के लिए भारत में अनेक वेधशालाएं बनाई गई। इसमें सेक्सटेंट, क्रोनोमीटर एवं टेलिस्कोप आदि यंत्रों का प्रयोग किया जाने लगा। इसके बाद एक जनवरी 1767 को ईस्ट इंडिया कंपनी के मेजर जेम्स रेनल को बंगाल का सर्वेयर जनरल नियुक्त किया गया। रेनल ने सेवानिवृत्ति के बाद 1783 ई. में मैप ऑफ हिंदुस्तान प्रकाशित किया जिसमें समय-समय पर सुधार करते हुए इसे वैज्ञानिक बनाया गया। इस प्रकार हमारे भारत का मानचित्र तैयार हो गया जो पूर्णरूप से वैज्ञानिक होने के साथ ही विश्वसनीय भी है। आज जिस मानचित्र का उपयोग हम कर रहे हैं, उसका पूर्ण श्रेय जेम्स रेनल को ही जाता है। यह बात अलग है कि समयानुसार उसमें सुधार किया जाता रहा है।

उड़ चली नॉन्गडांगनू

आया फूम का घर के काम में मन नहीं लगता था। वह हमेशा मौके का इंतजार करती कि नॉन्गडांगनू के पैनथाऊ यानी पापा घर से बाहर निकलें तो वह मोहल्ले भर की खबर लेने-देने पड़ोसियों के घर चली जाए। इधर वहां वह गप्पें मारती।

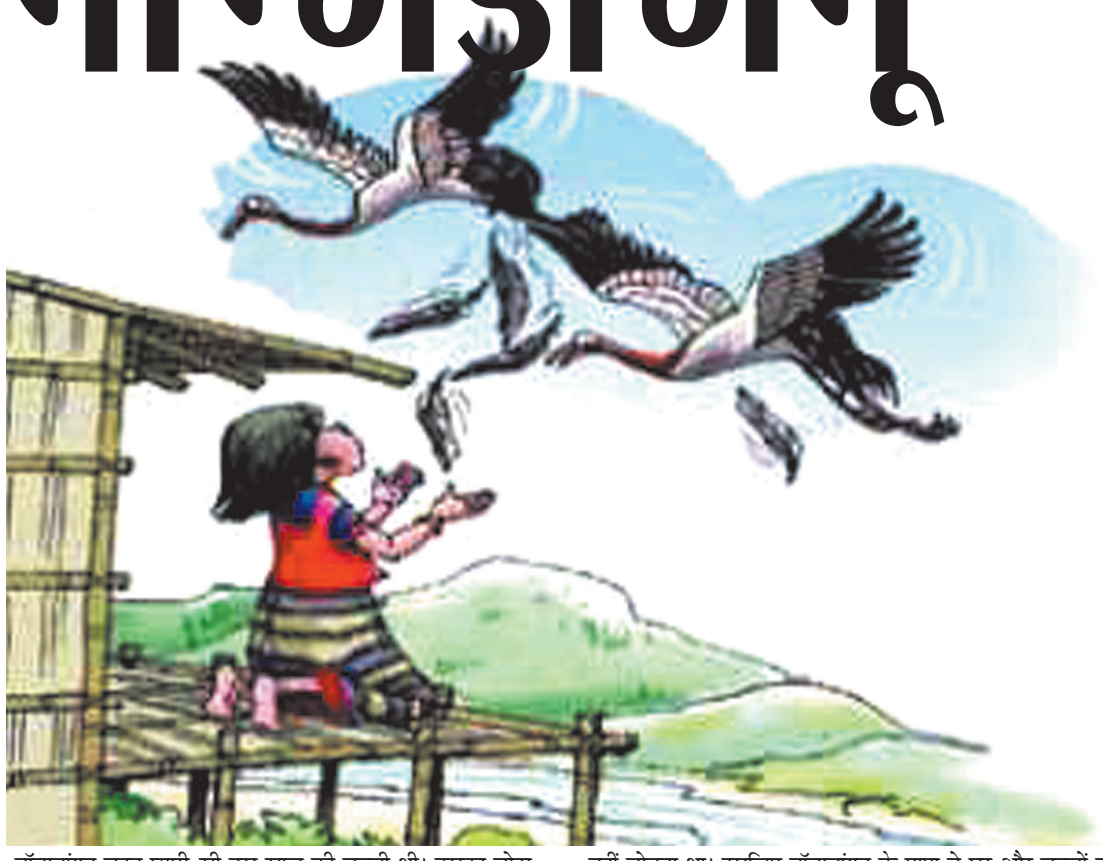

नॉन्गडांगनू बहुत प्यारी-सी दस साल की बच्ची थी। उसका छोटा भाई तमेंग करीब चार साल का था। जब वह बहुत छोटी थी, तब एक एक्सीडेंट में उसकी मम्मी चल बसी थीं। उसके पापा बिजनेसमैन थे। उन्हें अक्सर बिजनेस के सिलसिले में एक शहर से दूसरे शहर में जाना पड़ता था। इस कारण नॉन्गडांगनू और उसके छोटे भाई या इबुनगो को घर पर अकेले रहना होता था। नॉन्गडांगनू तो समझदार थी, पर तमेंग बहुत डरपोक था। वह उसे एक पल भी नहीं छोड़ता था। इसलिए नॉन्गडांगनू के पापा ने घर और बच्चों की देखभाल के लिए एक आया फूम को रख लिया। आया फूम का घर के काम में मन नहीं लगता था। वह हमेशा मौके का इंतजार करती कि नॉन्गडांगनू के पैनथाऊ यानी पापा घर से बाहर निकलें तो वह मोहल्ले भर की खबर लेने-देने पड़ोसियों के घर चली जाए। इधर वहां वह गप्पें मारती। उधर घर का सारा काम नॉन्गडांगनू को करना पड़ता। वह बर्तन मांजती, धान कूटती, खाना बनाती, कपड़े धोती। नदी से पानी भरकर लाती। जंगल से लकड़ी चुनकर लाती। कुल मिलाकर छोटी-सी बच्ची सुबह से लेकर रात तक काम करती। फिर भी आया फूम उसे डांटती-फटकारती रहती। कभी-कभी तो फूम नॉन्गडांगनू की पिटाई करती और खाने को भी नहीं देती। ऐसे में नॉन्गडांगनू को भूखे ही सोना पड़ता। नॉन्गडांगनू का भाई तमेंग हर समय उसके साथ रहता। जब वह पानी लेने नदी या लकड़ी लेने जंगल की ओर जाती तब वह घर के दरवाजे पर बैठा उसका इंतजार करता रहता। फूम घर में कभी-कभी नहीं होती, तो तमेंग नॉन्गडांगनू को कुछ अच्छा खाना भी खिला देता। वह खुश हो जाती। फिर काम निपटाकर नॉन्गडांगनू और तमेंग खेलने में मगन हो जाते। वह अपनी बहन यानी इची को बहुत प्यार करता था। लेकिन उस दिन नदी किनारे बहन-भाई यानी इबुनगो-इचि में ककड़ी खाने को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर नॉन्गडांगनू ने अपने भाई तमेंग को धक्का दे दिया। वह नदी में गिर पड़ा। वह भागी-भागी घर आई। पहले तो नॉन्गडांगनू खुद डर गई। यह सोचकर कि कहीं उसका भाई नदी में डूब तो नहीं गया। फिर उसने हिम्मत कर घर आकर फूम को पूरी बात बताई। फूम तो सुनकर आग बबूला हो गई। मन-ही-मन वह भी डर गई कि वह अपने मालिक को क्या बताएगी। उसने नॉन्गडांगनू को येनखा यानी घर के बरामदे में बंद कर दिया और खुद नदी की ओर भागी। संयोग अच्छा था। उसे तमेंग नदी के किनारे बेहोश पड़ा मिला। थोड़ी ही देर में वह उसे लेकर घर लौट आई। इसके बावजूद फूम का गुस्सा कम नहीं हुआ।

रात भर येनखा में नॉन्गडांगनू अकेले पड़ी रोती रही। सुबह-सुबह उसे आसमान में सारस का जोड़ा दिखाई दिया। उसने उनसे प्रार्थना की, 'ओ वैनू, मेहरबानी कर मुझे भी अपने साथ ले चलो'। सारसों ने कहा, 'हमें माफ करना। हम तुम्हें साथ नहीं ले जा सकते।' नॉन्गडांगनू ने कहा, 'अगर साथ नहीं ले जा सकते तो मुझे एक पंख दे जाओ।' दोनों सारसों ने अपने पंख फड़फड़ाए और सफेद पंख नीचे गिरने लगे। नॉन्गडांगनू ने सारस के पंखों को इकट्ठा कर लिया। फिर उसके घर के ऊपर से कौए, तोते, गौरैया, मैना, कबूतर, बया वगैरह कई चिड़िया गुजरीं। नॉन्गडांगनू ने सभी से इसी तरह आग्रह कर ढेर सारे रंग-बिरंगे पंख इकट्ठे कर लिए। उसने एक-एक पंख को जोड़कर फी यानी शॉल बनाया और उसे ओढ़ लिया। फिर उसे ओढ़कर वह उड़ने लगी। उसे देखकर, उसके भाई ने आवाज दी, 'ओ इची!' (बहन) अपने भाई की आवाज को उसने अनसुना कर दिया। फिर उसके पैनथाऊ यानी पापा ने आवाज दी, 'ओ इबेम्मा!' (मेरी प्यारी बेटी) नॉन्गडांगनू अपने पैनथाऊ यानी पापा की आवाज को सुनकर भावुक हो गई। उसने आंख में आंसू भर कर कहा, 'अलविदा पापा! अब आप मुझे कभी मत ढूंढ़ना। मैं हूं उचेक लैंगमिडॉन धनेश' (पहाड़ों की बेटी)।

दुनिया का सबसे अनोखा गांव

जहां हर घर में है प्लेन

यह दुनिया की एक ऐसी अनोखी बस्ती है, जहां हर लगभग घर में एक प्लेन जरूर है। यह अमेरिका के नॉर्थ-ईस्ट फ्लोरिडा में स्थित है। इसे स्प्रूस क्रीक के नाम से जाना जाता है और यह डेटॉना बीच से कुछ मील की दूरी पर है।

इसे एयर-पार्क या फ्लाई-इन-कम्युनिटी के नाम से भी जाना जाता है। स्प्रूस क्रीक में 1,300 घर हैं और यहां 700 प्लेन हैं। इस गांव की आबादी करीब 5,000 है। यहां के अधिकांश घरों में निजी प्लेन खड़े हुए दिखाई देते हैं। इस यूनीक गांव में एक निजी एयरफील्ड है। यहां का एक ड्राइव-वे सीधे रनवे से जोड़ता है। रनवे 4000 फीट लंबा और 150 फीट चौड़ा है। अनोखे गांव स्प्रूस क्रीक में 18 होल वाला गोल्फ कोर्स, कई फ्लाइंग क्लब, निजी एयरक्राफ्ट्स, फ्लाइट ट्रेनिंग और 24 घंटे पेट्रोलिंग करने वाली सिक्युरिटी है। जिन लोगों की जिंदगी एयरप्लेन से जुड़ी है, उनके लिए स्प्रूस क्रीक स्वर्ग जैसी जगह है। अमेरिका के सुप्रसिद्ध एक्टर और पॉयलट जॉन पार्क ट्रैवोल्टा भी यहां कई साल रह चुके हैं। हालांकि, यहां के कई लोगों को शिकायत थी कि जॉन बोइंग 707 से उड़ते थे, जिससे यहां आने और जाने बहुत अधिक शोर होता था। जॉन ने यह बोइंग भाड़े पर ले रखा था। इससे एक दिक्कत और भी होती थी कि 250,000 पाउंड वजनी बोइंग को यहां की छोटी हवाई पट्टी में उतरने में परेशानी होती थी। स्प्रूस क्रीक रेसीडेंशियल एयर-पार्क का कॉन्सेप्ट सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद का है। यह ऐसा वक्त था, जब अमेरिका को अतिरिक्त एयरफील्ड और पॉयलट्स की जरूरत थी। 1946 के बाद अमेरिकी सरकार ने पूरे देश में 6,000 रेसीडेंशियल एयर-पार्क बनाने की योजना बनाई थी। यह योजना पूरी कभी नहीं हो सकी, लेकिन यह बस्ती उसी योजना के तहत बसाई गई थी। स्प्रूस क्रीक में निवेश होने से यहां फ्लाई कम्युनिटीज का एक बड़ा एक्टिव नेटवर्क तैयार हो गया। अमेरिका के एरिजोना, कोलोरोडा, फ्लोरिडा, टेक्सास और वॉशिंगटन की बड़ी फ्लाई कम्युनिटीज के बीच स्प्रूस क्रीक सबसे विशाल है। गांव के लोगों के घर के गैराज और मैदान में खूबसूरत सेसना, पाइपर, पी-51 मुस्टांग, एल-39 एलब्रेट्रोज, एन इक्लिप्स 500, फ्रेंच फौगा मैजिस्टर खड़े हैं। इस गांव में एक रसियन मिग-15 फाइटर जेट भी है। स्प्रूसक्रीक में विमान के अलावा लैंबोरघिनी, कारवेट्स और पोर्स जी2 जैसे महंगी लग्जरी कारें भी देखने को मिल जाएंगी।

स्विमिंग पूल जिसमें उतरने पर गीले नहीं होते कपड़े

जापान के कनाजावा में ऐसा अनोखा स्विमिंग पूल है, जिसमें उतरने के बावजूद आप गीले नहीं होंगे। यहां चल सकते हैं और पानी के अंदर होने की अनुभूति प्राप्त कर सकते हैं। यह 21वीं सदी के म्यूजियम ऑफ आर्ट में स्थापित है। जब आप पूल के डेक पर होते हैं, तो वह गहरा और पानी से भरा नजर आता है। लेकिन जैसे ही डुप्लेक्स गैलरी में उतरते हैं, चौंक जाते हैं। इसे एक आर्टिस्ट लिन्ड्रो इर्लिच ने तैयार किया है। म्यूजियम के कोर्टयार्ड में चूने के पत्थर से स्वीमिंग पूल का एक फ्रेम बनाया गया है। जब इसे डेक से देखा जाता है, तो यह गहरा है और पानी से भरा दिखाई देता है। वास्तव में पारदर्शी शीशे के अंदर केवल 10 सेमी पानी भरकर बनाई गई यह एक लेयर है। मुड़े हुए शीशे में पानी भरा जाता है तो इससे गहराई अधिक दिखाई देती है। ग्लास के नीच एक खाली स्पेस है, जिसकी दीवारें एक्वामरीन हैं। इस स्पेस के अंदर भी लोग घुस सकते हैं। यह आर्टिफिशियल पूल अपने आप में अमेजिंग दिखाई देता है।

भारत आ रहे जहाज पर हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से किया हमला

वाशिंगटन। शनिवार को लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर हमला बोला है। भारत आ रहे जहाज पर उन्होंने मिसाइल दागी जिससे जहाज को काफी नुकसान हुआ है। विद्रोहियों ने ही बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। वे लाल सागर और अदन की खाड़ी के इलाके से गुजरने वाले जहाजों पर बीते कई महीनों से हमले कर रहे हैं। ब्रिटेन की मेरीटाइम सिक्योरिटी फर्म एंब्रे ने बताया है कि हमले के चलते जहाज को नुकसान हुआ है। एंब्रे ने बताया कि जिस जहाज पर हमला हुआ, उस पर पनामा का झंडा लगा है, लेकिन जहाज का स्वामित्व ब्रिटिश कंपनी के पास है। हालांकि कहा जा रहा है कि इस जहाज को बीते दिनों बेच दिया गया था और अब सेशेल्स की कंपनी के पास इस जहाज का स्वामित्व है। जिस जहाज पर हमला हुआ, वह ऑयल टैंकर है और रूस के प्रिमोर्स्क से भारत के वाडिनार आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने के लिए ही अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने बीते दिनों यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले भी किए थे। हालांकि इसके बावजूद हूती विद्रोहियों के हमले नहीं रुक रहे हैं। भारत ने भी अरब सागर और अदन की खाड़ी में अपनी नौसेना को तैनात किया हुआ है और युद्धक जहाजों से निगरानी भी बढ़ाई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही इस्राइल हमास युद्ध के बाद से ही लाल सागर और अदन की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोही फलस्तीन के समर्थन में ऐसा कर रहे हैं और पहले हूती विद्रोहियों के निशाने पर इस्राइल से संबंधित जहाज ही होते थे, लेकिन बीते काफी दिनों से अन्य देशों के जहाजों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इसके चलते कई शिपिंग कंपनियों ने अपने जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका के लंबे रूट से भेजा जा रहा है। इससे माल की ढुलाई की लागत बढ़ गई है और वैश्विक स्तर पर महंगाई भी बढ़ी है।

सिर न ढंकने वाली महिलाओं को मिलेगी 10 साल की जेल 100 कोड़े की सजा, यूएन ने जताई चिंता

जिनेवा। ईरान में सिर ढकने के नियमों का पालन न करने पर कई महिलाओं और लड़कियों को हिरासत में लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र अधिकार अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने ईरान के उस मसौदा कानून की आलोचना व्यक्त की, जिसके तहत सिर ढकने के नियमों का पालन न करने पर 10 साल की जेल की सजा के साथ कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। तुर्क ने तेहरान से लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को दूर करने का आह्वान किया। तुर्क ने रैपर तुमाज सालेही को मौत की सजा दिए जाने की भी आलोचना की जो 2022 के प्रदर्शनों के दौरान प्रमुख चेहरा थे। तुर्क के कार्यालय के अनुसार, कुर्द महिला महसा अमिनी की हिरासत में मौत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों में भूमिका के लिए नौ लोगों को फांसी दी गई है। अमिनी को मोरेलिटी पुलिस ने अपना सिर ठीक से नहीं ढकने के कारण हिरासत में लिया था।

पीएमएल-एन के अध्यक्ष बनेंगे नवाज शरीफ?

लाहौर। पीएमएल-एन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी नेताओं की 11 मई को होने जा रही बैठक में 74 वर्षीय नवाज अध्यक्ष चुने जाएंगे। 2017 में

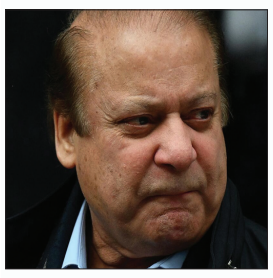

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री के रूप में और पार्टी अध्यक्ष के रूप में अयोग्य करार दिया था। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ का अपनी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का अध्यक्ष बनना लगभग तय है। सात वर्ष पहले देश के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें किसी भी सार्वजनिक पद के लिए अयोग्य करार दिया था। विदेश में जमा गैरकानूनी धन के बारे पनामा पेपर्स रहस्योद्घाटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में शीर्ष कोर्ट ने फैसला सुनाया था। पीएमएल-एन के पंजाब अध्यक्ष राणा सनाउल्ला ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नवाज शरीफ को फिर से पार्टी अध्यक्ष बनाने का फैसला पार्टी नेताओं की एक बैठक में लिया गया।

कैंसर से जूझ रहे पिता और भाभी से मिलना चाहते थे प्रिंस हैरी, पर फिर अटका दौरा, जानें क्या है वजह

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्यों की सेहत कुछ ठीक नहीं है। राजकुमारी केट मिडलटन बता चुकी हैं कि उन्हें कैंसर है, उधर किंग चार्ल्स भी कैंसर से जूझ रहे हैं। इन सबके बीच, अटकलें लगाई जा रही थीं कि राजकुमार हैरी अपने पिता से मिलने के लिए ब्रिटेन आ सकते हैं। वहीं, इनविक्टस गेम्स समारोह का हिस्सा बनने की भी चर्चा थी। हालांकि, अब बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी है। मीडिया रिपोर्ट में कुछ सूत्रों के हवाले से कहा गया कि जब भी हैरी ब्रिटेन जाते हैं, तो उनकी यात्राएं हमेशा इस बात पर निर्भर करती हैं कि वह कितनी सुरक्षित है। इसलिए इनविक्टस गेम्स समारोह में भाग लेना है या नहीं यह तय करने से पहले उनकी सुरक्षा टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेंट पॉल को मेट्रोपॉलिटन पुलिस द्वारा पर्याप्त रूप से संरक्षित किया गया है या नहीं। इसके साथ ही टीम को यह भी देखना होगा कि जब प्रिंस हैरी लंदन में हों तब उनकी सुरक्षा में कोई कमी न रहे। सूत्रों ने यह भी दावा किया, हैरी अपने परिवार के साथ ब्रिटेन में अधिक समय बिताना चाहते हैं। पर उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हों तो उनके पास कोई रास्ता नहीं बचता है कि वह ऐसा कर सकें। एक अंदरूनी सूत्र का कहना है कि प्रिंस हैरी यात्रा के रद्द करने को लेकर दुखी हैं। क्योंकि उन्होंने केवल अपनी सुरक्षा के के लिए नहीं बल्कि परिवार, जनता और अपने अधिकारियों की सुरक्षा के लिए अनुरोध किया था। राजा चार्ल्स और केट मिडलटन के कैंसर होने के साथ-साथ राजकुमार हैरी के लिए बढ़ते कानूनी संकटों के बीच, रिपोर्ट से पता चलता है कि वह अपनी यात्रा को सुरक्षा कारणों के चलते रद्द करने पर विचार कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने कार्डिनल रंजीत के आरोप खारिज किए

कोलंबो । श्रीलंकाई पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने वर्ष 2019 में 'ईस्टर संडे' पर हुए आतंकी हमले की जांच को लेकर अपने खिलाफ लगाए गए देश के कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल मैलकॉम रंजीत के आरोपों को खारिज कर दिया। श्रीलंका में 21 अप्रैल, 2019 को 11 भारतीयों सहित 270 लोग मारे गए थे, जब आतंकी संगठन 'आईएसआईएस' से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) के नौ आत्मघाती हमलावरों ने तीन कैथोलिक चर्च और कई आलीशान होटल में सिलसिलेवार विस्फोट को अंजाम दिया था। 74 वर्षीय राजपक्षे ने कहा कि 'ईस्टर संडे' पर हमले इस्लामी चरमपंथियों के एक समूह द्वारा किए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि, ''तत्कालीन सरकार की सर्वोच्च जांच शाखा सीआईडी हमलों से पहले कई महीनों तक उन्हीं व्यक्तियों और समूहों की गतिविधियों की जांच कर रही थी जिन्होंने आत्मघाती बम विस्फोट किए थे, लेकिन वह आतंकवादियों को हमले से पहले पकड़ने में विफल रही।''

मैक्सिको में फलावर व गार्डन फैस्टीवल के दौरान ही पर्यटक फूलों से सजाये इलाके की तस्वीरें लेते हुए।

भगत सिंह के नाम पर लाहौर हाई कोर्ट ने मांगा समय

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर में शादमान चौक का नाम स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने के लिए लाहौर हाई कोर्ट से समय मांगा। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार के सहायक एडवोकेट जनरल इमरान खान ने अदालत से कहा कि शादमान चौक का नाम स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर रखने की अधिसूचना जारी करने के लिए सरकार को और समय दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील खालिद जमा कक्कड़ ने दलील दी कि इस मामले में पहले ही काफी देरी हो चुकी है। कोर्ट ने सरकार के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और सुनवाई सात जून तक के लिए स्थगित कर दी। हाई कोर्ट के जस्टिस शम्स महमूद मिर्जा भगत सिंहमेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिका में भगत सिंह के नाम पर शादमान चौक का नाम रखने के बारे में अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के लिए प्रांतीय और जिला सरकारों के तीन शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की गई थी। 2018 में हाई कोर्ट ने सरकार को लाहौर में शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने का आदेश दिया था। इस मामले में पहले ही काफी देरी हो चुकी है।

चीन की मदद से बना एयरपोर्ट, श्रीलंका ने भारत और रुस को सौंपा

- 20.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर हुए खर्च, सुनसान हवाई अड्डे में होती थी गिनती

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका सरकार ने चीन को ठेंगा दिखा दिया है जो उसके आसपास के छोटे देशों पर दादागीरी जमाना चाहता है। श्रीलंका ने हम्बनटोटा स्थित मटाला राजपक्षे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भारत और रूस की कंपनी को दी गई है। श्रीलंका के इस फैसले से चीन को जोरदार झटका लगना लाजमी है।

श्रीलंका के सरकारी प्रवक्ता और मंत्री बांदुला गुणवर्धने ने कहा कि श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने 9 जनवरी को संभावित पक्षकारों से रुचि पत्र आमंत्रित करने की मंजूरी दी थी। इसके बाद 5 प्रस्ताव पास किए गए थे। श्रीलंका कैबिनेट की ओर से नियुक्त सलाहकार समिति ने भारत की शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और रूस की एयरपोर्ट्स ऑफ रीजन्स मैनेजमेंट कंपनी को 30 सालों के लिए मैनेजमेंट की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला लिया। गुणवर्धने ने बताया कि मंत्रिमंडल ने नागरिक विमानन और हवाई अड्डा सेवा मंत्री की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मटाला राजपक्षे इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण 20.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर में किया गया है। एक समय उड़ानों की कमी की वजह से इसे दुनिया का सबसे सुनसान हवाई अड्डा कहा जाता था। मटाला हवाई अड्डे का नाम पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के नाम पर रखा गया है। महिंदा राजपक्षे ने एक दशक के शासनकाल में कई विशाल आधारभूत संरचना परियोजनाएं शुरू की जिनमें से यह एक है।

बता दें कि इस प्रोजेक्ट के लिए चीन ने उच्च ब्याज दर पर श्रीलंका को कॉमर्शियल लोन दिया। इस परियोजना पर 20.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च हुए जिनमें से 19 करोड़ डॉलर की राशि चीन की एग्जिम बैंक ने उच्च ब्याज दर पर मुहैया कराई। श्रीलंका सरकार 2016 से ही इस हवाई अड्डे के प्रबंधन के लिए वाणिज्यिक साझेदार की तलाश कर रही थी क्योंकि उसे इससे भारी नुकसान हो रहा था। यहां यात्रियों की संख्या कम होने से उड़ानों की संख्या भी कम हो गई थी। साथ ये एयरपोर्ट पर्यावरण के लिहाज से भी काफी संवेदनशील था। लगातार घाटे के चलते एयरपोर्ट के निर्माण पर सवाल उठने लगे थे। एक्सपर्ट का कहना था कि इस एयरपोर्ट का निर्माण करवाकर चीन ने श्रीलंका को एक और कर्ज जाल में फंसा लिया है। अब देखना होगा कि भारत और रूस की कंपनियों को मैनेजमेंट की जिम्मेदारी मिलने से क्या बदलाव आते हैं। चीन तो इस फैसले से नाराज तो होगा।

यूके के किंग चार्ल्स तृतीय सार्वजनिक जिम्मेदारियां निभाने को तैयार

-छह मई को किंग के राज्याभिषेक की पहली सालगिरह मनाई जाएगी

बकिंघम (एजेंसी)। यूके के किंग चार्ल्स तृतीय जल्द ही अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार हैं। इस साल चिकित्सा विशेषज्ञों को किंग चार्ल्स तृतीय की बीमारी कैंसर का पता चला था, जिसके बाद उनकी देखभाल शुरु कर दी गई थी अब उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार से डॉक्टर भी काफी खुश थे। बकिंघम पैलेस ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

बकिंघम पैलेस ने बयान में कहा, किसी भी स्वास्थ्य जोखिम को कम करने के लिए आगे के सार्वजनिक जिम्मेदारियों वाले कार्यक्रमों को प्रबंधित किया जाएगा। इसमें आगे कहा गया, कैंसर के उपचार और स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद किंग चार्ल्स जल्द ही सार्वजनिक जिम्मेदारियों में लौट आएंगे। 75 वर्षीय किंग चार्ल्स आने वाले मंगलवार को अपनी पत्नी क्वीन कैमिला के साथ लंदन के एक कैंसर उपचार केंद्र का दौरा करेंगे। जहां वे चिकित्सा विशेषज्ञों और रोगियों से मुलाकात करेंगे। किंग की बाहरी गतिविधियों में यह पहली यात्रा होगी। किंग की मेडिकल टीम उनके लगातार ठीक होने को लेकर काफी खुश है।

छह मई को किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक की पहली सालगिरह मानी जाएगी। पैलेस ने बयान में बताया कि शाही परिवार पिछले साल की खुशियों के लिए दुनियाभर से मिली ढेरों शुभकानाओं के लिए आभारी है। बकिंघम पैलेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि किंग चार्ल्स का उपचार जारी रहेगा। किंग अब कई सार्वजनिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए फिर से तैयार हैं। किंग के निरंतर स्वास्थ्य में सुधार के लिए किसी भी जोखिम को कम करने के लिए जहां जरूरी होगा, आगामी गतिविधियों को प्रबंधित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किंग निरंतर देखभाल के लिए मेडिकल टीम के बहुत आभारी हैं।

गिरफ्तारी के डर से श्रीलंका नहीं गए ईरानी गृह मंत्री अहमद वाहिदी

कोलंबो (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति जब पाकिस्तान के दौरे पर थे, तब उनके साथ पूरी टीम थी। टीम में ईरानी गृह मंत्री भी थे। लेकिन ईरान के राष्ट्रपति पाकिस्तान का दौरा खत्म करके श्रीलंका पहुंचे तब वहां गृह मंत्री दिखाइ नहीं दिया। जिसके बाद चर्चाएं तेज हैं कि आखिर ईरानी गृह मंत्री अचानक पाकिस्तान से कहां गायब हो गए। इसका जवाब ये हैं कि वे श्रीलंका गए ही नहीं बल्कि पाकिस्तान से ही वापस लौट गए। चर्चा हैं कि उनकी गिरफ्तारी श्रीलंका में हो सकती थी। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान से ही वापस ईरान लौटने का फैसला किया। अहमद वाहिदी पर अर्जेंटीना ने ब्यूनस आयर्स में एक यहूदी सामुदायिक केंद्र पर 1994 के हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसमें 85 लोग मारे गए थे। इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी कर दुनिया भर की पुलिस एजेंसियों से वाहिदी को हिरासत में लेने का अनुरोध किया था और अर्जेंटीना ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों से वाहिदी को गिरफ्तार करने के लिए कहा था। इसके बाद अब ईरानी मंत्री को रायसी के साथ नहीं देखा गया, तब इसकी चर्चा तेज हो गई। रईसी ईरान समर्थित बिजली और सिंचाई परियोजना का उद्घाटन करने के लिए श्रीलंका पहुंचे थे। ईरान की मीडिया ने बताया कि वाहिदी ईरान वापस आ गए, जहां उन्होंने एक नए प्रांतीय गवर्नर को शामिल करने के लिए एक समारोह में भाग लिया। श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि आंतरिक मंत्री को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था।

चीन यात्रा से लौटे अमेरिकी विदेश मंत्री... बाइडेन के संदेश को फिर शी से दोहराया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन के संदेश को दोहराया, जो उन्होंने पिछले साल नवंबर में शिखर सम्मेलन के दौरान दिया था। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न देने का आग्रह किया था।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का तीन दिवसीय चीन दौरा संपन्न हो चुका है। साथ ही ब्लिंकन ने कहा कि उनके देश ने आगामी अमेरिकी चुनावों को प्रभावित करने और हस्तक्षेप करने के चीनी प्रयासों के सबूत दिखाएं हैं, जबकि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहले ऐसा न करने की प्रतिबद्धता जताई थी। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

ब्लिंकन ने एक इंटरव्यू में अपनी चीन यात्रा पर बात की। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के संदेश को दोहराया, जो उन्होंने पिछले साल

अपने शिखर सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग को दिया था। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न देने का आग्रह किया था। इसके बाद चीन ने ऐसा न करने का वादा किया था।

यह पूछने पर कि क्या चीन अब तक ने अपनी प्रतिबद्धता का उल्लंघन किया है, ब्लिंकन ने कहा, हमने चुनाव को प्रभावित करने और दखल देने के प्रयासों के सबूत देखे हैं और हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस जल्द से जल्द खत्म किया जाए। उन्होंने कहा, हम चीन का हमारे चुनाव में दखल देख रहे हैं और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। ब्लिंकन ने कहा कि चीन को उन्नत कंप्यूटिंग चिप्स भेजने पर रोक लगाने का मकसद चीन की अर्थव्यवस्था या तकनीकी विकास को रोकना नहीं है। अमेरिकी सरकार ने 2022 से चीन को कुछ कंप्यूटिंग चिप्स के निर्यात पर रोक लगा दी है, इसमें एनवीडिया, एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस और इंटेल जैसी कंपनियों की बिक्री प्रभावित हुई है। इस कदम ने हुआवेई टेक्नोलॉजीज को चिप शिपमेंट पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने इंटेल और क्वालकॉम को हुआवेई को चिप्स बेचने की अनुमति दी है।

चीन से मिली हंगोर क्लास पनडुब्बी पर इतरा रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन ने पाकिस्तानी नौसेना के लिए बनाई जाने वाली पहली हंगोर क्लास पनडुब्बी को लांच किया है। इस लॉन्चिंग कार्यक्रम का आयोजन चीन के वुचांग शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री ग्रुप (डब्ल्यूएसआईजी) के शुआंगलियू बेस पर हुआ। कार्यक्रम में पाकिस्तानी नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने भाग लिया। यह डेवलपमेंट पाकिस्तान और चीन के बीच हुए एक समझौते के तहत हुआ है, जिसमें बीजिंग ने इस्लामाबाद को आठ अत्याधुनिक उन्नत पनडुब्बियां प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है।कुल आठ पनडुब्बियों में से चार का निर्माण चीन के द्वारा किया जाना है, जबकि शेष चार का निर्माण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) समझौते के तहत पाकिस्तान में कराची शिपयॉर्ड एंड इंजीनियरिंग वर्क्स में हो रहा है। उन्नत स्टील्थ विशेषताओं वाली पनडुब्बियों को कई तरह के खतरे वाले वातावरण में संचालित करने के लिए अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित किया जाना है और लंबी दूरी पर लक्ष्य पर हमला किया जा सकता है। इस मौके पर कार्यक्रम सीएनएस अशरफ ने मौजूदा भू-रणनीतिक वातावरण के तहत समुद्री सुरक्षा के महत्व और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के नौसेना के संकल्प पर जोर दिया। नौसेना प्रमुख ने जोर दिया कि हंगोर-क्लास एस/एम परियोजना पाक-चीन मित्रता में एक नया आयाम जोड़ेगी और दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य सहयोग को प्रदर्शित करेगी। पाकिस्तान के चीन के साथ घनिष्ठ सैन्य संबंध हैं, और उनके द्विपक्षीय संबंधों में इस्लामाबाद द्वारा बीजिंग से विभिन्न हथियारों के आयात का प्रावधान है। पिछले साल, पीएन ने दो नवनिर्मित चीनी टाइप 054 ए/पी फ्रिगेट को शामिल किया था। दोनों देशों ने 2018 में चार बहुउद्देश्यीय युद्धपोतों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। पहला और दूसरा जहाज पीएनएस तुगरिल और पीएनएस तैमूर 2022 में पीएन बेड़े में शामिल हुए।

चीन के द्वारा तैयार हंगोर क्लास पनडुब्बी कई तरह के मिशन को अंजाम दे सकती है। इसमें कई तरह के अत्याधुनिक हथियार और सेंसर लगे हैं, जो विभिन्न खतरों का सामना कर सकते है। हंगोर क्लास सबमरीन चीन की टाइप 039ए/041 युआन क्लास का ही एक्सपोर्ट वेरिएंट है। पहली चार पनडुब्बियां 2023 तक वितरित की जानी थीं, और अंतिम चार (केएसईडब्ल्यू से) 2028 तक आनी थीं। पाकिस?तान ने सबमरीन के बारे में ज्यादातर जानकारी को सीक्रेट रखा है। बताया जा रहा है कि यह पनडुब्बी 76 मीटर लंबी होगी। हालांकि हंगोर क्लास की डिजाइन विशेषताओं के बारे में कोई जानकारी कभी सामने नहीं आई, लेकिन ऐसा माना जाता है कि पनडुब्बी का डिजाइन संभवतः एस 26 पर आधारित है, जो सीएसओसी द्वारा विकसित एक एक्सपोर्ट वेरिएंट डिजाइन है जो टाइप 039ए/041 पनडुब्बी पर आधारित है। एस26 को 2013 में चीन शिपबिल्डिंग ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (सीएसएससी) द्वारा अनावरण किए गए एस20 डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी डिजाइन का एआईपी तकनीक से लैस वेरिएंट माना

जाता है। पाकिस्तानी नौसेना के अलावा, रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) ने 2017 में एस26 (स्थानीय रूप से एस26टी के रूप में नामित) के तीन पनडुब्बियों का भी ऑर्डर दिया है। अनुमान लगाया गया है कि हंगोर-क्लास में छह 533 मिमी टारपीडो ट्यूब से लैस होगी। युआन-क्लास के हथियारों के समान, हंगोर क्लास पनडुब्बियां हेवीवेट टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलों (एएसएचएम) दोनों को लॉन्च करने में सक्षम होंगी। दो आयुधों में से, यह माना जाता है कि पनडुब्बी चीनी मूल के यू-6 हेवीवेट टॉरपीडो या सीएम-708यूएनबी एंटी-शिप मिसाइल (एएसएचएम) ले जाएगी। इन दो के अलावा, आठ पनडुब्बियों में पाकिस्तान द्वारा विकसित परमाणु हमला करने में सक्षम बाबर-3 पनडुब्बी-प्रक्षेपित क्रूज़ मिसाइल (एसएलसीएम) ले जाने की भी व्यापक रूप से उम्मीद की जाती है, जो 450 किमी की सीमा को कवर करने में सक्षम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली सरकार की लोगों से अपील... जरुरत पड़ने पर घर से निकले

नई दिल्ली । दिल्ली में अभी लू से राहत है,लेकिन दोपहर में तेज धूप निकलने से गर्मी पसीने छुड़ा रही है। यह देखकर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने एक दिशा-निर्देश जारी करके लोगों को सावधान किया है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक लोगों को तेज धूप में बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग ने जारी दिशा निर्देश में कहा है कि तेज धूप में अधिक देर तक बाहर रहने से लू लगने की आशंका है। इस स्थिति में लोगों को कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना, उल्टी, घबराहट, सांस व धड़कन तेज होने की समस्या होती है। इसी वजह से दोपहर में गर्मी अधिक होने पर बाहर न निकले और अधिक देर तक धूप में रहने से बचा जाना चाहिए। गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखने से पर्याप्त पानी पीना आवश्यक है। यदि प्यास न लगी हो तब भी थोड़े-थोड़े अंतराल पर पानी जरुर पिएं। घर से बाहर जाते समय पानी की बोतल जरुर ले जाए। नींबू पानी और छाछ का सेवन जरुर करें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती। इसके साथ ही आप मौसमी फलों का सेवन कर सकते है। तरबूज, खरबूजा, संतरा, खीरा व ककड़ी का सेवन अधिक करें। क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि धूप में बाहर जाते समय काले और ज्यादा गहरे रंग के कपड़े पहनने से परहेज करना चाहिए। दोपहर में निकलते समय सिर को छाता, टोपी या गमछे से ढंक कर रखना चाहिए। अगर घर पर कमरे में तापमान अधिक हो तब भी बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को परेशानी हो सकती है। कमरे को ठंडा जरुर रखें। वहीं चाय, कॉफी, शराब व कार्बोनेटेड साफ्ट ड्रिंक का सेवन नहीं करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने नामों को शार्टलिस्ट करने के लिए अपनाई प्रक्रिया का विवरण मांग

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट रजिस्ट्री से पदोन्नति श्रेणी के तहत राज्य में अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए वरिष्ठ सिविल न्यायाधीशों के नामों को शार्टलिस्ट करने के लिए अपनाई प्रक्रिया का विवरण प्रदान करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान 28 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का समय दिया। अब याचिका पर 29 अप्रैल को सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने गुजरात हाई कोर्ट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरी से अपनाई गई चयन प्रक्रिया का विवरण उपलब्ध करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पूछा कि पदोन्नति के लिए न्यायिक अधिकारियों के नाम कैसे तय किए गए। शीर्ष अदालत वरिष्ठ सिविल जज कैडर अधिकारियों, रविकुमार मेहता और सचिन प्रतापराय की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें जिला न्यायाधीशों के उच्च कैडर में 68 न्यायिक अधिकारियों के चयन को चुनौती दी गई है। इसके पहले, शीर्ष अदालत ने पदोन्नति को गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियम 2005 का उल्लंघन मानकर सूरत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हंसमुख भाई वर्मा सहित गुजरात के 68 लोअर न्यायिक अधिकारियों के पदोन्नति पर रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्मा ने ही मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी करार दिया था।

देश के चार हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । देश के चार हवाई अड्डों को बीते दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल के द्वारा दावा किया गया कि कोलकाता हवाई अड्डे सहित देश के चार अलग-अलग हवाई अड्डों पर बम रखे गए हैं। यह ई-मेल मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये ईमेल 26 अप्रैल को मिला था, जिसमें दावा किया कि देश के चार अलग-अलग हवाई अड्डों पर बम रखे गए हैं। जानकारी मिलते ही हवाईअड्डों की गहन जांच की गई, जिसमें बाद में ये धमकी अफवाह निकली। बीते दिन जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इसके बाद हडकंप मच गया। हवाई अड्डे के अधिकारिक फीडबैक आईडी पर शुक्रवार दोपहर में धमकी का ईमेल आया था। इसके बाद हवाई अड्डे के सुरक्षाकर्मियों और बम निरोधक दस्ते ने सर्च ऑपरेशन चलाया। साइबर टीम भी मौके पर पहुंची।

असम में हाथी का आंतक...दो वन रक्षकों सहित तीन लोगों की मौत

तेजपुर । असम के सोनितपुर जिले में एक जंगली हाथी के हमले में दो वन रक्षकों सहित तीन लोगों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। एक वन अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पश्चिम तेजपुर प्रभागीय वन अधिकारी निपेन कलिता ने कहा कि जब वनकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे, तभी जंगली हाथी पास के ढेकियाजुली जंगल से भटककर माजुली गांव में घुस गया और तीन लोगों को कुचलकर मौके पर ही मार डाला, जबकि? वन विभाग के एक अन्य कर्मचारी को घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान वनरक्षक कोलेश्वर बोरो और बीरेन रावा और स्थानीय व्यक्ति की पहचान जतिन तांती के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति दिबाकर मालाकार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि हाथी को वापस जंगल में धकेलने के प्रयास जारी हैं।

हेलीकॉप्टर में चढ़ने के दौरान चोटिल हुई ममता

दुर्गापुर । बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को चोट लगने की खबर सामने आई है। शनिवार को पश्चिम बर्धमान के दुर्गापुर में अपने हेलीकॉप्टर में चढ़ने के दौरान एक हादसे में ममता को चोट लगी। हेलीकॉप्टर में चढ़ने के बाद सीट लेते समय सीएम ममता फिसल कर गिर गईं। कथित तौर पर ममता को मामूली चोट लगी। हालांकि उन्होंने आसनसोल की अपनी आगामी यात्रा जारी रखी। बताया जा रहा है कि ममता जब हेलीकॉप्टर में चढ़ रहीं थी, तभी वे सीट के पास पहुंचते ही गिर पड़ीं। उन्हें गिरता देख उनके पास मौजूद सुरक्षाकर्मी ने उन्हें संभाला और उठाकर सीट पर बैठा दिया।

डोडीताल में मां अन्नपूर्णा मंदिर के कपाट खुलेंगे, नाग देवता के आदेश पर पहुंचीं देव डोलियां

उत्तरकाशी । समुद्रतल से करीब 12 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित डोडीताल में मां अन्नपूर्णा मंदिर के कपाट आज विधि विधान के साथ सुबह 6 बजे खोल दिए जाएंगे। कपाट खोलने की प्रक्रिया के लिए केलशू घाटी के विभिन्न गांवों की देव डोलियां बृहस्पतिवार शाम को ही अगोड़ा गांव पहुंच गई थीं। शुक्रवार दोपहर अगोड़ा के नाग देवता के आदेश पर देव डोलियां सहित पांडव पश्वा और ग्रामीण डोडीताल के लिए रवाना हुए और देर शाम डोडीताल पहुंच गए। आज सुबह डोडीताल स्थित झील में सभी देव डोलियां, पांडव पश्वा और श्रद्धालु स्नान करेंगे। इसके बाद विशेष पूजा अर्चना के बाद मां अन्नपूर्णा मंदिर के कपाट छह माह के लिए श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मंदिर के मुख्य पुरोहित राधेश्याम खंडूड़ी ने बताया कि इस अवसर पर डोडीताल में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मां अन्नपूर्णा की साधना करने से धन संपत्ति, संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। डोडीताल को गणेश जन्मभूमि भी कहा जाता है इसलिए मां अन्नपूर्णा के साथ यहां पर भगवान गणेश की पूजा अर्चना भी 6 माह तक होती है।

वाड्रा बोले- धर्म के नाम पर जो राजनीति कर रहे हैं वो गलत हैं

ऋषिकेश । प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ऋषिकेश त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए। आरती के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि ऋषिकेश पहुंचकर मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त होने से आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ है। वाड्रा ने कहा कि धर्म के नाम पर जो राजनीति कर रहे हैं वह गलत है। धर्म और राजनीति को अलग-अलग रख जाना चाहिए। भाजपा शासनकाल में आम नागरिकों के असल मुद्दों पर बात नहीं की जाती है। लोगों में डर फैलाना भाजपा के सरकार चलाने का तरीका है। भाजपा चुनाव के दौरान वादे करती है और फिर कोई काम नहीं करती है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि पहले चरण का चुनाव कांग्रेस के पक्ष में गया है। अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि पूरे देश की पुकार है कि मैं सक्रिय राजनीति में आऊं। मैं देश के लोगों के लिए हमेशा ही निकलता हूं। लोगों के बीच में रहता हूं और समाज के लिए काम करता हूं। मैने 1999 से अमेठी में प्रचार किया और 2004 में भारी बहुमत से सोनिया गांधी को विजयी बनाया है। इस दौरान राजपाल सिंह खरोला, जयेंद्र रमोला, मोहित उनियाल आदि भी उनके साथ थे।

भाजपा संविधान बदलकर लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है : प्रियंका गांधी

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी के प्रचार में पहुंची कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा पर जमकर प्रहार किए। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा के लोग कई खतरनाक बात कर रहे हैं। वह कहते हैं संविधान बदल देंगे। जिस संविधान से अधिकार मिला है उसे बदलने का क्या मतलब है? दरअसल ये लोग संविधान बदलकर लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। दक्षिण गुजरात के वलसाड लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अनंत पटेल के समर्थन में धरमपुर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि एक तीर एक कमान, आदिवासी एक समान। चुनाव के समय बहुत सारी बातें हो रही हैं और मैं भी अपने मन की बात रखने आपके समक्ष आई हूं। आप सभी भले ही मुझसे दूर बैठे हों, परंतु मेरे दिल के करीब हैं। करीब इसलिए हैं क्योंकि आप ही इस देश की महान जनता हैं। आप ने ही इस देश को अपने खून-पसीने से बनाया है और इस जमीन को सींचा है। प्रत्येक आंदोलन के वक्त आदिवासी समाज आगे आया है। आजादी की लड़ाई में भी आदिवासी समाज ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। देश की मौजूदा परिस्थित को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी इस कदर बढ़ गई है कि सामने मुश्किल ही मुश्किल नजर आ रही है। आज देश की सामान्य जनता के लिए जीना मुहाल हो गया है। खासकर आदिवासी समाज के लिए। आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन एक संस्कृति है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मेरी दादी इंदिराजी हमेशा कहा करती थी कि उनके हृदय में सबसे अधिक आदर आदिवासी संस्कृति के लिए है। वह इसलिए कि आदिवासी समाज ने जल, जमीन, जंगल प्रकृति के नियमो का आदर कर जीवन के नियम बनाए हैं। उन्होंने कहा कि देश के आजाद होने के बाद बने संविधान के जरिए सभी समान अधिकार मिला। इसी संविधान ने जल, जंगल, जमीन का अधिकार दिया है। मतदान का अधिकार दिया है। कांग्रेस की महासचिव ने कहा कि आप ने सुना होगा कि भाजपा के नेता संविधान बदलने की बात कर रहे हैं। लेकिन मोदी मंच पर आते हैं तो कहते हैं कि ऐसी कोई मंशा नहीं है। सच यह है कि मोदी जो करना चाहते हैं उसे छोटे-बड़े नेताओं बुलवा देते हैं और बाद में इंकार भी करते हैं। लेकिन सत्ता पर आते ही वही करते हैं जिसे वह पहले इंकार चुके हैं। भाजपा के नेता संविधान बदलने की कितनी खतरनाक बात कर रहे हैं। इसका मतलब साप है कि वह लोकतंत्र और देश की जनता को कमजोर करना चाहते हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि बीते 10 साल में आप के अधिकारों को मजबूत करने का कोई काम नहीं किया। केवल और केवल आपको कमजोर करने का ही काम किया है। इतना ही नहीं लोकतंत्र को बचाने वाली संस्थाओं को भी कमजोर किया है।

गर्मी बढ़ी... उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की 31 घटनाएं

देहरादून । गर्मी बढ़ने के साथ ही उत्तराखंड में पिछले 24 घंटों में विभिन्न स्थानों पर जंगलों में आग लगने की 31 घटनाएं सामने आईं, इसमें दो व्यक्ति झुलस गए। इस बीच, रूद्रप्रयाग में जंगलों में आग लगाते तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

वन विभाग ने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कुमाउं क्षेत्र में जंगल में आग लगने की 26, जबकि गढ़वाल क्षेत्र में पांच घटनाएं हुईं, जिसमें 33.34 हैक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ। इन घटनाओं में 39,440 रुपये की आर्थिक क्षति होने का अनुमान है। पिछले साल एक नवंबर से अब तक प्रदेश में जंगल में आग लगने की कुल 575 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें 689.89 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ और 14,41,771 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। उधर, रूद्रप्रयाग के जखोली में दो अलग-अलग वन क्षेत्रों में कथित रूप से आग लगाते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जखोली के तड़ियाल गांव के भेड़पालक नरेश भट्ट को जंगल में आग लगाते हुए पकड़ा लिया गया, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बकरियों को चराने के लिए नयी घास उगाने के लिए उसने जंगल में आग लगायी। दूसरी ओर, उत्तरी जखोली के डंगवाल गांव में हेमंत सिंह एवं भगवती लाल नामक व्यक्तियों को जंगल में आग लगाते हुए पकड़ लिया गया। वन अधिकारी ने बताया कि जंगल में आग लगाने में शामिल अपराधियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

पहले दो चरण में विपक्ष का सूपड़ा साफ, मतदाताओं ने भाजपा को दिया आशीर्वाद : अमित शाह

राजकोट (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले दो चरण के वोटिंग को लेकर आज बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पहले दो चरणों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया है और मतदाताओं ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है। पोरबंदर से भाजपा उम्मीदवार मनसुख मांडविया के समर्थन में अमित शाह ने जामकंडोरणा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। भारत माता के जयकारे के साथ अमित शाह अपने भाषण की शुरुआत की और अबकी बार 400 का नारा बुलंद किया। अमित शाह ने कहा फिर एक बार नरेन्द्र मोदी को प्रचंड बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बनाएंगे। पीएम मोदी के कार्यों को एक हजार से भी अधिक सालों तक याद रखा जाएगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश से नक्सलवाद और आतंकवाद का सफाया हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह को मौनी बाबा करा दिया और पाकिस्तान पर की गई सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते अमित शाह ने केन्द्र में मोदी के नेतृत्व में सरकार आने के बाद पाकिस्तान थर थर कांप रहा है। हमने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों का सफाया किया है। अमित शाह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि खडगे कहते हैं कि राजस्थान और गुजरात के लोगों को कश्मीर से क्या लेना देना? खडगे साहब की उम्र 80 के पार हो गई है और आप अब तक देश को पहचान नहीं पाए। जबकि मेरे जामकंडोरणा का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों के भीतर देश का अर्थतंत्र मजबूत हुआ है और आनेवाले समय में भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की गारंटी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वोटबैंक की लालच में कांग्रेस ने दशकों तक अयोध्या के मुद्दे को लटकाए रखा। लेकिन नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। कांग्रेस की बदइंतजामी के कारण दशकों तक सौराष्ट्र जलसंकट से जूझता रहा, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद सौराष्ट्र का जलसंकट खत्म हो गया है। भाजपा की सरकार ने सौनी योजना के जरिए जलापूर्ति सूनिश्चित की है। सौराष्ट्र ही नहीं भाजपा सरकार ने कच्छ तक पानी पहुंचा दिया है। मोदी के शासन में राज्य खासकर तटीय इलाकों में कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। सौराष्ट्र में खेती, उद्योग और व्यापार का काफी विकास हुआ है। अमित शाह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि दो चरणों में हुए मतदान में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया है। मतदाताओं का भाजपा को भरपूर आशीर्वाद मिला है। उन्होंने कहा कि नरेन्द् मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएंगे। पीएम मोदी ने गुजरात समेत पूरे भारत का नाम दुनियाभर में रौशन किया है।

एनआई के एक्शन से... कनाडा और ब्रिटेन में खालिस्तानियों की नींद उड़ी

-तिरंगे का अपमान करने वाला इंदरपाल सिंह गाबा पकड़ा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने खालिस्तानियों पर ऐसा कड़ा प्रहार किया हैं कि अब तिरंगे की तस्वीर देख लेने भर से ही खालिस्तान समर्थकों की रुह कांप जाएगी। भारत द्वारा तिरंगे के अपमान का बदला लेने वाली खबर ने ब्रिटेन से लेकर कनाडा तक में हलचल मचा दी है। याद होगा कि पिछले साल मार्च में 50 खालिस्तानियों के एक झुंड ने लंदन में भारतीय हाई कमीशन पर हमला कर दिया था। तब खालिस्तानियों ने लंदन हाई कमीशन पर लगे तिरंगे का अपमान किया था। लेकिन अब भारतीय हाई कमीशन पर हमले का मुख्य आरोपी इंदरपाल सिंह गाबा पकड़ा गया है। गाबा को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। इससे ब्रिटेन और कनाडा में खालिस्तान नेटवर्क के नींद उड़ा दी है।

एनआईए ने बताया कि हाउंस्लो के निवासी गाबा को खालिस्तान समर्थकों के उच्चायोग की इमारत में तोड़फोड़ और 19 मार्च को उच्चायोग की इमारत से भारतीय ध्वज को उतारने वाली घटना में उसकी कथित भूमिका के लिए दिल्ली में गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों की तरफ से ये आयोजन ब्रिटेन स्थित सिख कट्टरपंथी और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) नेता अवतार सिंह खांडा के मार्गदर्शन में किया गया था। ये वही खांडा है जिसकी जून 2023 में ब्रिटेन के अस्पताल में मृत्यु हो गई। खांडा खालिस्तानी आतंकवादी जगतार सिंह तारा का करीबी सहयोगी था। खालिस्तानियों की तरफ से यह प्रदर्शन 18 मार्च को वारिस पंजाब प्रमुख अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के प्रतिरोध के तौर पर की गई थी। सिंह वर्तमान में असम की एक उच्च सुरक्षा जेल में बंद हैं। एनआईए ने कहा कि एक बड़ी सफलता में एनआईए ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पर हिंसक हमले और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान गैरकानूनी कार्रवाइयों से संबंधित 2023 के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रवक्ता ने कहा कि गाबा को 22 मार्च, 2023 के विरोध प्रदर्शन के दौरान गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गिरफ्तार किया गया। हालाँकि, एजेंसी ने यह नहीं बताया कि गाबा को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था या उसके यहाँ आने का उद्देश्य क्या था। एजेंसी ने हमले में उसकी सटीक भूमिका या खालिस्तानी समर्थक नेताओं के साथ उसके संबंध का भी खुलासा नहीं किया।

अमृतपाल सिंह की राजनीतिक पारी शुरु, खडूर साहिब से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

- यह चुनाव किसी पार्टी मंच से नहीं पंजाब के मुद्दों पर लड़ा जाएगा

अमृतसर (एजेंसी)। वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल सिंह खडूर साहिब लोकसभा चुनाव से अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने जा रहे हैं। यह चुनाव वह किसी पार्टी के मंच पर नहीं लड़ेंगे। अमृतपाल सिंह पंजाब के मुद्दों को अच्छी तरह से जानते हैं और यह चुनाव उन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाएगा। लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर उनकी मां बलविंदर कौर ने कहा कि अमृतपाल सिंह पर चुनाव लड़ने का दबाव बनाया जा रहा था और अब वह खडूर साहिब लोकसभा से चुनाव लड़ेंगे। अमृतपाल सिंह, अमृतसर जिले के जल्लूपुर खेड़ा गांव का रहने वाला है। वह 2012 में काम के सिलसिले में दुबई गया था। वहां से सितंबर 2022 को भारत लौटा। सितंबर में ही उसे खालिस्तानी समर्थक दीप सिद्धू के संगठन वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनाया गया। अमृतपाल पंजाब के मोगा के रोड गांव से पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद से 23 अप्रैल से डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। वकील-अभिनेता से सामाजिक कार्यकर्ता बने दीप सिद्धू ने वारिस पंजाब दे या पंजाब के वारिस का कार्यभार संभालने के बाद वह युवाओं को बुलाकर खुद को पंथ की स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए एक नए आधार के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे। 26 जनवरी, 2021 किसान आंदोलन के दौरान लाल किले पर हुई हिंसा के आरोपियों में से एक सिद्धू की फरवरी 2022 में हरियाणा के सोनीपत के पास एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उस साल सितंबर में अमृतपाल सिंह की दस्तार बंदी समारोह रोडे गांव में आयोजित किया गया था, जिसमें अमृतपाल को वारिस पंजाब दे का आधिकारिक प्रमुख बनाया गया था।

क्या शाहजहां के अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करों के साथ संबंध है !

-जांच एजेंसियों को है शक, तलाश रही इसका जवाब

संदेशखाली (एजेंसी)। देश के पश्चिम बंगाल राज्य के संदेशखाली में हथियारों के मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। जांच एजेंसियों को शक है कि जिस तरह के हथियार मिले हैं, उसके तार कहीं आतंकवादी संगठन से तो जुड़े नहीं हैं। अगर ऐसा है तो शाहजहां शेख की इसमें भूमिका क्या है।

सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां भी इस सवाल का जवाब तलाशने में लगी हैं। वहीं, सुरक्षा बल अभी भी वहां अपनी तलाश जारी रखे हुए हैं। जानकारों के मुताबिक विदेशी हथियार रखने का मतलब अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोहों के साथ संबंध होना दर्शाता है। अब सवाल उठ रहा है कि तो क्या शाहजहां के किसी अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करों के साथ संबंध हैं? चुनावों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के सामने यह सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या कोई अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन इस हथियार तस्करी से जुड़ा है? शाहजहां इसमें कैसे जुड़ा है। कैसे होती थी हथियारों की तस्करी? शाहजहां के बांग्लादेश में रोहिंग्या कैंप के दौरे का इससे क्या संबंध है? तो क्या शाहजहां सीधे तौर पर रोहिंग्या को घुसपैठ कराने और शरण देने में शामिल है?

सीबीआई की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में तस्वीरों के साथ दावा किया गया है कि हथियारों के साथ कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। जेल में बंद तृणमूल नेता शाहजहां का सचित्र पहचान पत्र भी है। शाम को सीबीआई ने कहा, तीन विदेशी रिवॉल्वर, एक भारतीय रिवॉल्वर, कोल्ट कंपनी द्वारा निर्मित पुलिस द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक रिवॉल्वर, एक विदेशी पिस्तौल, एक घरेलू बंदूक, 9 मिमी की 120 गोलियां, प्वाइंट 45 कैलिबर की 50 कारतूस, 9 एमएम के 120 कारतूस, प्वाइंट 380 के 50 कारतूस और प्वाइंट 32 के 8 कारतूस बरामद किए गए। सीबीआई का दावा है कि इसके अलावा शाहजहां की फोटो और पहचान वाले कुछ पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, सीबीआई को संदेश था कि 5 जनवरी को जब ईडी ने संदेशखली में छापेमारी की थी, तब संदिग्ध दस्तावेज शाहजहां के सहयोगियों के घर में छिपाए गए गए हो सकते हैं। इस आधार पर शुक्रवार को सीबीआई ने शाहजहां के दो सहयोगियों के घर पर छापेमारी की। वहां से हथियार और दस्तावेज बरामद किए गए। इस पूरे घनटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस ने इसे साजिश करार दिया है। तृणमूल ने कहा है रोबोट बुलाकर नाटक किया जा रहा है। तृणमूल नेता कुणाल घोष एक्स हैंडल पर लिखा, ÷दिल्ली में संदिग्ध मुद्दे को जीवित रखने के लिए रची गई साजिश के तहत नाटकीय काम करके वोट को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। एक पूर्व निर्धारित नाटक का मंचन किया जा रहा है। खबर फैलाकर, यंत्र को उतारकर का बाजार गर्म किया जा रहा है। पुलिस को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि संदेशखाली में ईडी, सीबीआई और एनआईए के बाद एनएसजी को भी उतरना पड़ा। कहा कि सीएम ममता के कार्यकाल में शाहजहां जिस तरह से बढ़ा, उससे ममता ने सीएम बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस नेता ने खरगे से पूछा.....राज्य में किसी मुसलमान को टिकट क्यों नहीं

- प्रचारक समिति से इस्तीफा दिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस नेता मोहम्मद आरिफ (नसीम खान) ने महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव 2024 प्रचारक समिति से इस्तीफा दिया है। आरिफ ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर किसी भी मुस्लिम नेता को टिकट न देने पर नाराजगी जाहिर की थी। जिसके बाद एआईएमआईएम ने उन्हें खुला ऑफर दिया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करने के बाद कांग्रेस में बगावत देखने को मिल रही है। टिकट बंटवारे को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस नेता मोहम्मद आरिफ ने महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव 2024 प्रचारक समिति से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, आरिफ ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पत्र लिखकर चुनाव प्रचार में हिस्सा न लेने की बात कहकर कांग्रेस की प्रचारक समिति से इस्तीफा दिया था। आरिफ ने कहा, खरगे जी, मैं आपका धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे इस प्रचार समिति का हिस्सा बनाया, लेकिन मैं मुस्लिम समुदाय का नेता हूं और मुसलमान मुझसे पूछ रहे हैं कि पार्टी ने किसी मुस्लिम उम्मीदवारों के लिए कोई सीट क्यों नहीं दी। इस कारण मैं उन लोगों को मुंह नहीं दिखा पाउंगा और प्रचार नहीं कर पाउंगा। लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि कांग्रेस को मुस्लिमों का वोट चाहिए, लेकिन मुस्लिम उम्मीदवार नहीं।

वहीं आरिफ के कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखे पत्र के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उन्हें खुला ऑफर दिया है। महाराष्ट्र एआईएमआईएम अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने कहा कि आपने सिर्फ स्टार प्रचारक के पद से इस्तीफा क्यों दिया। आपको उस पार्टी से इस्तीफा दे देना चाहिए, जो केवल मुस्लिम वोट चाहती है लेकिन उनका नेतृत्व नहीं। अगर आप हमारी पार्टी में आते हैं, तब हम आपको मुंबई से सीट देने के लिए तैयार हैं। यह अलग बात है कि आरिफ ने औवैसी की पार्टी के न्यौते को ठुकरा दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों और हर जाति को समान अवसर दिए। उन्होंने कहा कि मैं एआईएमआईएम को उनके प्रस्ताव के लिए धन्यवाद देता हूं, लेकिन मैं इस स्वीकार

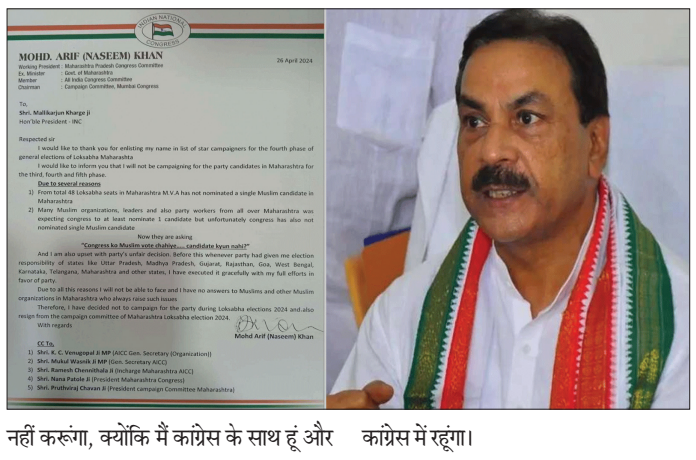

MOHD. ARIF (NASEEM) KHAN
Working President : Maharashtra Pradesh Congress Committee
Ex. Minister : Govt. of Maharashtra
Member : All India Congress Committee
Chairman : Campaign Committee, Mumbai Congress

26 April 2024

To,
Shri. Mallikarjun Kharge ji
Hon'ble President - INC

Respected sir
I would like to thank you for enlisting my name in list of star campaigners for the fourth phase of general elections of Loksabha Maharashtra
I would like to inform you that I will not be campaigning for the party candidates in Maharashtra for the third, fourth and fifth phase.
Due to several reasons
1) From total 48 Loksabha seats in Maharashtra M.V.A has not nominated a single Muslim candidate in Maharashtra
2) Many Muslim organizations, leaders and also party workers from all over Maharashtra was expecting congress to at least nominate 1 candidate but unfortunately congress has also not nominated single Muslim candidate
Now they are asking
"Congress ko Muslim vote chahiye..... candidate kyun nahi?"
And I am also upset with party's unfair decision. Before this whenever party had given me election responsibility of states like Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Gujarat, Rajasthan, Goa, West Bengal, Karnataka, Telangana, Maharashtra and other states, I have executed it gracefully with my full efforts in favor of party.
Due to all this reasons I will not be able to face and I have no answers to Muslims and other Muslim organizations in Maharashtra who always raise such issues
Therefore, I have decided not to campaign for the party during Loksabha elections 2024 and also resign from the campaign committee of Maharashtra Loksabha election 2024.
With regards
Mohd Arif (Naseem) Khan

CC To,
1) Shri. K. C. Venugopal Ji MP (AICC Gen. Secretary (Organization))
2) Shri. Mukul Wasnik Ji MP (Gen. Secretary AICC)
3) Shri. Ramesh Chennithala Ji (Incharge Maharashtra AICC)
4) Shri. Nana Patole Ji (President Maharashtra Congress)
5) Shri. Prithviraj Chavan Ji (President campaign Committee Maharashtra)

नहीं करूंगा, क्योंकि मैं कांग्रेस के साथ हूं और कांग्रेस में रहूंगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर को देखने के लिए उमड़ी भीड़, महिलाओं और बच्चों समेत १० घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के अडाजण में एक ज्वैलर्स शोरूम के उद्घाटन के लिए बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर सुरत पहुंचे थे. अडाजण क्षेत्र में स्थित एल.पी. सावनी रोड पर एक ज्वैलर्स का शोरूम खुला था. ये ओपनिंग बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने की. रणबीर कपूर सूरत एयरपोर्ट से ज्वैलर्स शोरूम पहुंचे थे. रणबीर कपूर इस ज्वैलर के शोरूम का उद्घाटन करने वाले हैं, यह खबर मिलते ही बड़ी संख्या में प्रशंसक उमड़ पड़े थे. अपने पसंदीदा हीरो की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और उनकी एक झलक पाने के लिए प्रशंसक आपस में पाए भिड़ गए. इस झड़प से बैरिकेड टूट गए और महिलाओं, बच्चों को सामान्य चोटे आई.

सुरक्षा की दृष्टि से शोरूम के बाहर बैरिकेड्स लगाए गए थे. हालाँकि, अपेक्षा से अधिक लोगों के आ जाने के कारण यह घटना बनी. रणबीर कपूर शोरूम से बाहर आए और उनके प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया. इसी बीच जैसे ही भीड़ ने उनसे मिलने की कोशिश की, बैरिकेड टूट गया और महिला, बच्चे भी नीचे गिर गए.

शोरूम के उद्घाटन के बाद रणबीर कपूर लाइव परफॉर्मेंस देने वाले थे. हालांकि, उससे पहले ही भगदड़ और अफरा-तफरी के कारण रणवीर कपूर को तुरंत वहां से रवाना कर दिया गया. फिर वह एयरपोर्ट पर वापस लौट गए. जानकारी के अनुसार इस भाग दौड़ में १० लोगों को मामूली चोटें आई हैं.

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट महिला इकाई द्वारा एंटरटेनमेंट कार्यक्रम “100% फुल मस्ती” का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट महिला इकाई द्वारा एंटरटेनमेंट कार्यक्रम “100% फुल मस्ती” का आयोजन शुक्रवार को शाम तीन बजे से डूमस स्थित अग्र एग्जॉटिका में किया गया. कार्यक्रम में गीत, गान, क्विज, डांस, नाटक सहित अनेकों सांस्कृतिक एवं मनोरंजन के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. आयोजन में ३५० से अधिक महिलाओं ने भाग लिया. इस मौक़े पर महिला इकाई के पदाधिकारियों के अलावा अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित रहें.

अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालवीय भाजपा में शामिल, पाटील ने पटका पहनाकर किया स्वागत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोकसभा चुनाव 2024:

पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति में हार्दिक पटेल के सबसे करीबी युवा नेता अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालवीय बीजेपी में शामिल हो गए हैं. कार्यक्रम सूरत के वराछा स्थित मानगढ़ चौक पर आयोजित किया गया, जिसमें सीआर पाटिल, प्रफुल्ल पनसेरिया समेत बड़े नेता मौजूद रहे. सीआर पाटिल ने बीजेपी पटका पहनाकर अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालवीय का बीजेपी में स्वागत किया.

करीब २०० PAAS कार्यकर्ता भी बीजेपी में शामिल हुए २०२० के चुनावों में, AAP सूरत में पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (PAAS) द्वारा कांग्रेस के बजाय AAP का समर्थन करने के साथ उभरी। सूरत में PAAS की वजह से ही आप का अस्तित्व था लेकिन अब कल शनिवार को PAAS के दो युवा नेताओं के साथ लगभग २०० PAAS कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटील की मौजूदगी में वराछा इलाके में एक सम्मेलन में पीएएएस नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

हार्दिक पटेल ने पूरा किया ऑपरेशन! गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले PAAS नेता और कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल बीजेपी में शामिल हो गए. उस वक्त कयास लगाए जा रहे थे कि ये दोनों सहयोगी दल बीजेपी में शामिल होंगे. हालाँकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। हालांकि, अब हार्दिक पटेल विधायक बन गए हैं. चर्चा है कि हार्दिक पटेल ने ही इन दोनों नेताओं को बीजेपी में शामिल कराने का ऑपरेशन पूरा किया है.

PAAS का २०२० में कांग्रेस से टकराव हुआ सूरत समेत गुजरात में आरक्षण आंदोलन के बाद पाटीदार बहुल इलाकों में आरक्षण आंदोलन समिति की पकड़ मजबूत हो गई थी. जिसके चलते २०१५ के चुनाव में PAAS के समर्थन से कांग्रेस को ३७ सीटें मिलीं. २०२० में कांग्रेस के साथ टिकट बंटवारे में फूट पड़ गई और PAAS ने AAP को समर्थन दे दिया. यह समर्थन ऐसा था कि पहली बार सूरत नगर पालिका में एक-दो नहीं बल्कि पूरी २७ सीटें आम आदमी पार्टी ने जीत लीं.

हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव में आप ने भी चुनाव लड़ा था। बहरहाल, सूरत की सभी १२ सीटों पर बीजेपी का भगवा लहराया. सूरत में पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के नेता अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालवीय युवा प्रतीक हैं, लेकिन उन्होंने कुछ दिन पहले आप से इस्तीफा दे दिया था और उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें थीं। अटकलें अब सच हो रही हैं और कल शनिवार रात ८ बजे मानगढ़ चौक स्थित सरदार पटेल प्रतिमा PAAS पर बीजेपी का सम्मेलन होने जा रहा है. जिसमें रिथिया मालवीय और अल्पेश कथीरिया के साथ करीब २०० PAAS कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं. पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ आप पार्षद बीजेपी में शामिल हो रहे हैं, लेकिन किसी भी आप पार्षद के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना नहीं है.

अल्पेश कथीरिया का राजनीतिक करियर अल्पेश कथीरिया पाटीदार आरक्षण आंदोलन से सुर्खियों में आए थे. वह ३० अक्टूबर २०२२ को आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। २०२२ में आम आदमी पार्टी ने वराछा विधानसभा से टिकट दिया. कथीरिया सूरत के वराछा से कुमार कनानी से हार गए। फिर १८ अप्रैल २०२४ को कथीरिया ने AAP से इस्तीफा दे दिया. रह गए है उनके साथ धार्मिक मालवीय ने भी इस्तीफा दे दिया कौन हैं अल्पेश कथीरिया? अल्पेश कथीरिया अमरेली जिले के बिग गोखरवाला गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह नाना वराछा स्थित तापीदर्शन सोसायटी में रहते हैं। अल्पेश कथीरिया ने एलएलबी की पढ़ाई की है। वह पेशे से वकील हैं. अल्पेश २०१५ से ही खबरों में हैं. अल्पेश कथीरिया की मुलाकात हार्दिक पटेल से २०१५ में हुई थी. इसके बाद से वह पाटीदार आंदोलन से जुड़ गए. अल्पेश कथीरिया के खिलाफ अत्याचार और देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है. तो अल्पेश कथीरिया अब तक आम आदमी पार्टी में थे. हालांकि, उनकी पत्नी काव्या पटेल बीजेपी नेता हैं और पार्षद रह चुकी हैं.

सूरत में अवैध गैस रीफिलिंग की दुकानों पर बड़ी कार्यवाही, कापोद्रा के बाद अमरोली में दो दुकानों से ४८ बोतलें जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पिछले कुछ दिनों से सूरत में अवैध और खतरनाक गैस रीफिलिंग का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है. अलग-अलग क्षेत्रों में अवैध गैस री-फिलिंग करने वालों के यहाँ छापेमारी कर खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है. कापोद्रा क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग पकड़े जाने के बाद अमरोली पुलिस ने छापराभाटा क्षेत्र में खतरनाक तरीके से गैस रिफिलिंग करने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की. दो दुकानों पर छापेमारी कर छोटे-बड़े ४८ गैस सिलेंडर, तौल कांटे जब्त किए गए और नाबालिग समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया.

गुप्त सूचना के आधार पर वलीनाथ सोसायटी गेट के बाहर दो अलग-अलग दुकानों पर छापा मारा.

छापेमारी के दौरान दोनों दुकानों में अवैध गैस रिफिलिंग का धंधा चलता हुआ पाया गया. पुलिस ने दोनों दुकानों से विभिन्न कंपनियों के ४८ छोटे-बड़े गैस सिलेंडर, २ इलेक्ट्रिक तौल कांटा और गैस रिफिलिंग की दो नली जब्त कीं.

इस मामले में अमरोली पुलिस ने दो अलग-अलग अपराध दर्ज कर २२ वर्षीय कुशल भरवप्रसाद गुप्ता और नाबालिग को हिरासत में लिया है. पुलिस ने दो लोगों को वांछित घोषित किया है, जिनमें खटीक नामक व्यक्ति भी शामिल है.

चिखोडा गिरोह के मुख्य साजिशकर्ता को सूरत क्राइम ब्रांच ने मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया, २७ वारदातों में था वॉन्टेड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, कुख्यात वाहन चोर चिखोडा गिरोह के मुख्य साजिशकर्ता को सूरत क्राइम ब्रांच टीम ने गिरफ्तार किया. आरोपी २७ अपराधों में वॉन्टेड था और मौज-मस्ती और घूमने फिरने के लिए वाहन चोरी करता था. सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने मध्य प्रदेश के अलीराजपुर उमराली बाजार से ३० वर्षीय दिनेश उर्फ दीनू केमता मसानिया को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की है.

पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो पता चला कि आरोपी ७-८ साल से अपने दोस्तों विकास चौहान, जयराम बामनिया, मुकेश चौहान, नरेश गुजरिया कलेश और नजरिया उर्फ नजरू केनरिया तोमर के साथ मिलकर पिछले काफी समय से सूरत शहर और ग्रामीण इलाकों, छोटाउदेपुर, कावंत और पनवाड़ क्षेत्रों में वाहन चोरी के कई अपराध किए है. उन अपराधों के आरोपी खुलेआम घूम रहे थे. इसके अलावा, पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी मौज-मस्ती के लिए वाहन चोरी करते थे. सूरत क्राइम ब्रांच ने पहले इस वाहन चोर गिरोह के सदस्य नाज़रिया तोमर को ३.५३ लाख रुपये के ११ वाहनों के साथ गिरफ्तार किया था और ग्रामीण क्षेत्रों सहित सूरत शहर में कुल २७ वाहन चोरी के अपराधों को सुलझाया था. सूरत क्राइम ब्रांच ने गिरोह के एक और दोस्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है.

अल्पेश कथीरिया का राजनीतिक करियर

क्रांति समय
www.krantisamay.com

अल्पेश कथीरिया पाटीदार आरक्षण आंदोलन से सुर्खियों में आए थे. वह ३० अक्टूबर २०२२ को आम आदमी पार्टी में शामिल हुए।

२०२२ में आम आदमी पार्टी ने वराछा विधानसभा से टिकट दिया. कथीरिया सूरत के वराछा से कुमार कनानी से हार गए। फिर १८ अप्रैल २०२४ को कथीरिया ने AAP से इस्तीफा दे दिया. रह गए है उनके साथ धार्मिक मालवीय ने भी इस्तीफा दे दिया कौन हैं अल्पेश कथीरिया? अल्पेश कथीरिया अमरेली जिले के बिग गोखरवाला गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह नाना वराछा स्थित तापीदर्शन सोसायटी में रहते हैं। अल्पेश कथीरिया ने एलएलबी की पढ़ाई की है। वह पेशे से वकील हैं. अल्पेश २०१५ से ही खबरों में हैं. अल्पेश कथीरिया की मुलाकात हार्दिक पटेल से २०१५ में हुई थी. इसके बाद से वह पाटीदार आंदोलन से जुड़ गए. अल्पेश कथीरिया के खिलाफ अत्याचार और देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है. तो अल्पेश कथीरिया अब तक आम आदमी पार्टी में थे. हालांकि, उनकी पत्नी काव्या पटेल बीजेपी नेता हैं और पार्षद रह चुकी हैं.